घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 49- शुक्रवार 19- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

लोकसभा में हंगामे के बीच 'वीबी-जी-राम-जी' बिल पास

विपक्ष ने कागज फाड़े,शिवराज बोले...चुनावी फायदे के लिए जोड़ा था गांधी का नाम...

नई दिल्ली,18 दिसम्बर 2025। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल यानी 'वीबी-जी-राम-जी' पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने लोकसभा में जवाब दिया। इस दौरान विपक्ष बिल के विरोध में जमकर नारेबाजी की। विपक्षी सांसद वेल में पहुंच गए और कागज फेंके। हंगामे के बीच बिल ध्वनिमत से पास हो गया। शिवराज सिंह चौहान ने कहा,मनरेगा का नाम पहले पहले महात्मा गांधी के नाम पर नहीं रखा गया। वो तो पहले नरेगा थी। बाद में जब 2009 के चुनाव आए तब चुनाव और वोट के कारण महात्मा गांधी याद आए। बापू याद आए। तब उसमें जोड़ा गया महात्मा गांधी। इससे पहले विपक्ष ने इस बिल के विरोध में संसद परिसर में मार्च निकाला। इसमें विपक्ष के 50 से ज्यादा सांसदों ने हिस्सा लिया और वीबी-जी-राम-जी बिल वापस लेने के नारे लगाए।

किरण चौधरी ने कहा...हम जानते हैं देश की रक्षा कैसे करनी है...

भाजपा सांसद किरण चौधरी ने SHANTI बिल का समर्थन करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य लंबे समय से चली आ रही बिखरी हुई व्यवस्था और नीतिगत गतिरोध को समाप्त करना है। यह बिल पुराने बिखरे हुए नियमों को निरस्त कर उनकी जगह लाइसेंसिंग, सुरक्षा एप्रूवल, जवाबदेही और मुआवजे को कवर करने वाला एक फ्रेमवर्क लागू करता है। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्रीय सुरक्षा और जन सुरक्षा पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए एक ठोस नींव रखी थी, और अब इस दृष्टिकोण को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार रूप दिया है और आगे बढ़ाया है। वे कहती हैं कि विपक्ष निजीकरण को लेकर बेबुनियाद हंगामा कर रहा है, लेकिन हम जानते हैं कि देश की रक्षा कैसे करनी है।

'वीबी-जी राम जी बिल' गरीब विरोधी कांग्रेस करेगी पुरजोर विरोध : प्रियंका गांधी

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा से आज पारित विकसित भारत- रोजगार और आजीविका मिशन गारंटी (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी विधेयक को गरीब विरोधी बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इसका पुरजोर विरोध करेगी। प्रियंका ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि इस विधेयक से मनरेगा खत्म होने जा रहा है। हम इसका पूरी तरह विरोध करेंगे। इस पर सभी विपक्षी पार्टियां सहमत हैं। इसमें लोगों की मजदूरी के दिन 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर देना सिर्फ एक चालाकी है। उन्होंने कहा कि जैसे ही इस विधेयक के खर्च का बोझ राज्य सरकारों पर पड़ेगा, धीरे-धीरे मनरेगा बंद होने लगेगी। मनरेगा योजना देश के सबसे गरीब लोगों के लिए रोजगार का सहारा रही है और कोरोना जैसी मुश्किल परिस्थितियों में भी यह उनके साथ खड़ी रही।

शिवराज ने कहा...कांग्रेस गांधी को नहीं मानती

शिवराज ने कहा,कांग्रेस ने गांधीजी की कभी नहीं मानी। हम गांधीजी को मानते है। गांधीजी ने कहा था कि आजादी मिल गई है तो कांग्रेस को भंग कर देनी चाहिए। जिस दिन कश्मीर को विशेष दर्ज दिया,उस दिन संविधान की हत्या हो गई। मोदी जी सरकार ने मनरेगा में कई तरह की कमी को दूर किया है। मनरेगा में कई तरह से करप्शन हुआ है।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक, 2025 पेश किया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक, 2025 पेश किया। ये विधयेक प्रतिभूति बाजार से संबंधित कानूनों को मजबूत करने, उनमें संशोधन करने और उससे जुड़े या उससे संबंधित मामलों के लिए है। लोकसभा में पेश प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक, 2025 में तीन मौजूदा कानूनों सेबी अधिनियम-1992, सरकारी अधिनियम, 1996 और प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 को खत्म करके और भारत के प्रतिभूति बाजारों को विनियमित करने के लिए एक एकीकृत कानूनी ढांचा बनाने का प्रस्ताव है। इस प्रस्तावित कोड का मकसद रेगुलेटरी ढांचे को मजबूत करना, निवेशकों की सुरक्षा में सुधार करना और कैपिटल मार्केट में बिजनेस करने की दक्षता और आसानी को बढ़ाना है।

विपक्ष दलों ने मनरेगा को लेकर संसद भवन परिसर में किया प्रदर्शन

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी 'वीबी- जी राम जी' विधेयक लाने के विरोध में विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी,सांसद केसी वेणुगोपाल, पी चिदंबरम,प्रमोद तिवारी,दिग्विजय सिंह, सैयद नसीर हुसैन,धर्मेंद्र यादव,और शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत समेत कई सांसद मौजूद थे। प्रदर्शनकारी सांसदों ने हाथ में पोस्टर लेकर 'मनरेगा वापस दो,गरीबों का अधिकार छीनना बंद करो,मजदूर का अधिकार वापस दो,मनरेगा जिंदाबाद' के नारे भी लगाए। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पत्रकारों से कहा कि यह केवल मनरेगा का नाम बदलने का मामला नहीं है, बल्कि काम के अधिकार को छीने जाने का प्रयास है। सरकार अपनी मनमर्जी से काम देगी और बाद में कहकर काम देने से मना कर देगी कि अभी डिमांड नहीं है। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार ने भारत के गांवों में सामाजिक और आर्थिक बदलाव लाने वाले काम के अधिकार को कुचलने का प्रयास किया है। हम संसद से सड़क तक इसके खिलाफ संघर्ष करेंगे। कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने कहा कि यह गरीब और मजदूर विरोधी सरकार की कोशिश है, जो लोगों के काम करने के अधिकार को छीने जाने का प्रयास कर रही है। आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने कहा कि मनरेगा योजना ने गरीब तबके को सबसे अधिक रोजगार के अवसर दिए हैं।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी बोले...दिल्ली में सांस लेना मुश्किल,केंद्र ने क्या किया...

लोकसभा में वायु प्रदूषण पर चर्चा पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा,'आज दिल्ली में सांस लेना मुश्किल हो गया है, बोलना भी मुश्किल हो गया है। दिल्ली की जनता एक गैस चैंबर में फंसी हुई है, घुटन महसूस कर रही है। केंद्र में मोदी सरकार को 11 साल हो चुके हैं। उन्होंने क्या किया है। मैं पिछली आप सरकार को भी जिम्मेदार मानता हूं। इन दोनों ने दिल्ली में जीवन को कठिन बना दिया है। आम आदमी के लिए सांस लेना भी मुश्किल हो गया।

मनरेगा पर मनीष तिवारी बोले...सरकार रोजगार गारंटी को खत्म कर रही...

मनरेगा विवाद पर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा...समस्या यह है कि आप महात्मा गांधी का अपमान कर रहे हैं। आप महात्मा गांधी और भगवान राम के बीच अनावश्यक भेद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। जब नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी को गोली मारी थी,तो आप जानते हैं कि गोडसे किस संगठन से जुड़ा हुआ था। गांधी जी के अंतिम शब्द थे 'हे राम'। महात्मा गांधी के नाम पर शुरू की गई इतनी अच्छी योजना, जिसने करोड़ों गरीब लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा का सेफ्टी नेट का काम किया, आप इसे खत्म करने पर क्यों अड़े हुए हैं। अगर आप विधेयक पढ़ें, तो उसमें मनरेगा में दी गई रोजगार की गारंटी को पूरी तरह से हटा दिया गया है।'

पीएम मोदी को ऑर्डर ऑफ ओमान सम्मान मिला

सुल्तान हैथम ने सम्मानित किया,भारत-ओमान ने ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन किए

ओमान,18 दिसम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ओमान का दूसरा सर्वोच्च सम्मान मिला है। उन्हें सुल्तान हैथम बिन तारिक ने ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित किया है। इससे पहले दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान भारत और ओमान के बीच व्यापार समझौते पर साइन हुए। समझौते से भारत के टेक्सटाइल, फुटवियर, ऑटो मोबाइल,जेम्स एंड ज्वैलरी, रिन्युएबल एनर्जी और ऑटो कंपोनेंट्स जैसे सेक्टर्स को सीधा फायदा होगा। इस पर नवंबर 2023 में बातचीत शुरू हुई थी। इससे पहले पीएम ने बताया कि भारत और ओमान के बीच होने वाला व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता यानी CEPA आने वाले कई दशकों तक दोनों देशों के रिश्तों की दिशा तय करेगा। उन्होंने इसे दोनों देशों के साझा भविष्य का खाका बताया।

मोदी ने बिजनेस समिट को संबोधित किया : मस्कट में भारत-ओमान बिजनेस समिट को संबोधित करते हुए मोदी ने दोनों देशों के मजबूत रिश्तों की सराहना की। उन्होंने स्टार्टअप से भी अपील की कि वे भारत में निवेश करें, नए प्रयोग करें और भारत-ओमान के साथ मिलकर आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- आज हम एक ऐसा ऐतिहासिक फैसला ले रहे हैं, जिसकी गूंज आने वाले कई दशकों तक सुनाई देगी। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता यानी सीईपीए 21वीं सदी में हमें नया भरोसा और नई ऊर्जा देगा। यह हमारे साझा भविष्य का खाका है। इससे हमारे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, निवेश को नया आत्मविश्वास मिलेगा और हर क्षेत्र में नए अवसरों के दरवाजे खुलेंगे।

मोदी बोले...ओमान से दोस्ती नहीं बदलेगी...

ओमान पहुंचे पीएम मोदी ने गुरुवार को कहा कि कितने भी मौसम बदल जाएं लेकिन भारत से उनकी दोस्ती नहीं बदलेगी। उन्होंने राजधानी मस्कट में भारतीय प्रवासियों को भी संबोधित किया। उन्होंने प्रवासी भारतीयों की तारीफ करते हुए कहा कि वे जहां भी जाते हैं,वहां की विविधता की तारीफ करते हैं। पीएम मोदी ओमान की राजधानी मस्कट पहुंचे थे। एयरपोर्ट पर ओमान के रक्षा मामलों के उप प्रधानमंत्री सैयद शिहाब बिन तारिक अल सईद ने मोदी का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने औपचारिक बातचीत भी की। रात में सईद ने पीएम मोदी के लिए डिनर भी रखा।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने खारिज की बाबरी मस्जिद निर्माण को चुनौती देने वाली जनहित याचिका

कोलकाता,18 दिसम्बर 2025। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद बनाने के फैसले को चुनौती देते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय में दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया गया है। गुरुवार को उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पाल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की खंडपीठ ने यह मामला खारिज कर दिया। दोनों न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि इस मामले की कोई स्वीकार्यता नहीं है। तृणमूल कांग्रेस से निलंबित और भरतपुर के विधायक हुमायूं कबीर ने जिला प्रशासन की अनुमति के बिना बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का काम शुरू कर दिया था। इसी आरोप के साथ हाल ही में उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई थी। गुरुवार को उच्च न्यायालय ने उस मामले को खारिज कर दिया। दोनों न्यायाधीशों की पीठ का तर्क था कि किसी व्यक्ति द्वारा दायर इस तरह के मामले की स्वीकार्यता नहीं है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी थी कि जहां मस्जिद निर्माण की बात कही गई है, वह कोई सरकारी जमीन नहीं है। यह एक ट्रस्ट की जमीन है। इसलिए वहां निर्माण कार्य पर आपत्ति निराधार है। इसके अलावा, अदालत के अनुसार, मामला त्रुटिपूर्ण है। इसलिए इस संबंध में कोई भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि,6 दिसंबर को अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस की तारीख पर मुर्शिदाबाद में हुमायूं कबीर ने इसी नाम से एक मस्जिद का शिलान्यास किया था। जब से हुमायूं ने मस्जिद स्थापना की तारीख की घोषणा की थी,तब से तृणमूल कांग्रेस ने विधायक से दूरी बना ली थी। मस्जिद शिलान्यास को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ता का दावा था कि हुमायूं का मस्जिद निर्माण का प्रस्ताव असंवैधानिक है। उस समय भी उच्च न्यायालय ने उस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया था। दोनों न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था कि हुमायूं को कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए कार्यक्रम का आयोजन करना होगा। राज्य को भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया गया था।

भारतीय तटरक्षक बल ने पकड़ीं दो बांग्लादेशी नौकाएं,35 मछुआरे गिरफ्तार

नई दिल्ली,18 दिसम्बर 2025। भारतीय तटरक्षक बल भारत के समुद्री क्षेत्रों में अपनी मजबूत मौजूदगी बनाकर समुद्री कानून लागू करने को बढ़ावा दे रहा है। इसी क्रम में आईसीजी के जहाज 'अनमोल' ने बंगाल की खाड़ी में दो बांग्लादेशी नावें पकड़कर 35 मछुआरों को गिरफ्तार किया है। ये बांग्लादेशी मछुआरे भारतीय एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में अवैध रूप से मछली पकड़ रहे थे। इनके पास से 500 किलो मछलियां भी बरामद की गई हैं। आईसीजी ने पिछले तीन महीनों में ऐसी 8 नावें पकड़ी हैं। आईसीजी के कमांडेंट अमित उनियाल ने बताया कि जहाज 'अनमोल' ने 16 दिसंबर को बंगाल की उत्तरी खाड़ी में नियमित निगरानी के दौरान ऑपरेशन करते हुए भारतीय क्षेत्र के अंदर अवैध रूप से मछली पकड़ते हुए दो बांग्लादेशी नावों को पकड़ा। इन नावों पर सवार 35 मछुआरों को मैरीटाइम जोन ऑफ इंडिया एक्ट, 1981 के उल्लंघन में गिरफ्तार किया गया। दोनों नावों से मछली पकड़ने के सामान और लगभग 500 किलोग्राम मछलियां पकड़ी गईं, जिससे साफ पता चलता है कि भारतीय जल क्षेत्र के अंदर मछली पकड़ने का काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि पकड़ी गई नावों और 35 मछुआरों को हिरासत में लेकर 17 दिसंबर को लागू कानूनों के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए फ्रेजरगंज की मरीन पुलिस को सौंप दिया गया। यह गिरफ्तारी भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने, गैर-कानूनी मछली पकड़ने को रोकने और इस क्षेत्र में काम कर रहे भारतीय मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईसीजी की प्रतिबद्धता को दिखाती है।

वायु सेना कमांडर भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तैयार रहें : राजनाथ

नई दिल्ली,18 दिसम्बर 2025। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को वायु सेना के कमांडरों से ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेने और भविष्य की हर चुनौती का मुकाबला करने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि भारत की वायु सेना तकनीकी में उन्नत,ऑपरेशन में तेज, रणनीतिक रूप से आश्वस्त और भविष्य को ध्यान में रखने वाली फोर्स है,जो आज के समय में देश के हितों की रक्षा कर रही है। 21वीं सदी की लड़ाई सिर्फ हथियारों की लड़ाई नहीं है, यह विचार और प्रौद्योगिकी की लड़ाई है, लेकिन सरकार सुरक्षा तंत्र को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। नई दिल्ली में आज वायु सेना के कमांडर्स कॉन्क्लेव में रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की हाई-इम्पैक्ट, कम समय की ऑपरेशनल क्षमता दिखाई। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन के दौरान वायु सेना की हिम्मत, तेजी और सटीकता की तारीफ करते हुए कहा कि वायु योद्धाओं ने आतंकी कैंपों को तबाह किया और स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान के 'गैर जिम्मेदाराना रिएक्शन' को असरदार तरीके से संभाला। भारत की हवाई क्षमता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तानी सेना ने भारतीय ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की,तो भारत के लोग शांत रहे और अपने रोजाना के काम करते रहे। यह हमारी ऑपरेशनल तैयारियों में हर भारतीय के भरोसे का सबूत है। युद्ध के बदलते तरीके पर बात करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष,इजराइल-हमास युद्ध,बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर इस बात के सबूत हैं कि एयर पावर आज के समय में एक अहम ताकत बनकर उभरी है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के एयर डिफेंस सिस्टम और दूसरे इक्विपमेंट के असरदार इस्तेमाल की तारीफ करते हुए कहा कि साइबर वॉरफेयर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अनमैन्ड एरियल व्हीकल,सैटेलाइट-बेस्ड सर्विलांस और स्पेस-इनेबल्ड क्षमताएं लड़ाई के भविष्य को पूरी तरह से बदल रही हैं।

कर्नाटक विधानसभा में हेट स्पीच और घृणा अपराध विधेयक पारित,विपक्षी सदस्यों ने बिल की प्रतियां फाड़ीं

बेलगाम,18 दिसम्बर 2025। कर्नाटक विधानसभा में हेट स्पीच और घृणा संबंधी अपराधों को नियंत्रित करने के लिए गुरुवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच एक विधेयक पारित कर दिया गया। इस हेट स्पीच और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक में दोषी पाए जाने पर सात साल तक की जेल और एक लाख रुपये तक जुर्माना का प्रावधान किया गया है। इस विधेयक के विरोध में भाजपा सदस्यों ने सदन में हंगामा कर धरना दिया और विधेयक की प्रतियां फाड़ीं। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने विधेयक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हाल ही में समाज को ठेस पहुंचाने वाले शब्दों का प्रयोग बढ़ा है,जिसके परिणामस्वरूप मारपीट और हत्या जैसी घटनाएं हो रही हैं। सामाजिक और राजनीतिक सभाओं में बोले जाने वाले घृणास्पद शब्द समुदायों के बीच तनाव पैदा कर रहे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इसे नियंत्रित करने के लिए एक कानून की आवश्यकता है।

मिलने का वक्त दे दीजिए सर...संसद में प्रियंका गांधी ने मांगा अपॉइंटमेंट,तुरंत मिले नितिन गडकरी

नई दिल्ली,18 दिसम्बर 2025। संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। यह सत्र काफी हंगामेदार रहा और इस सत्र के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा मनरेगा की जगह लाए गए दूसरे बिल की हो रही है। गुरुवार को भी संसद में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने प्रदूषण और मनरेगा में हो रहे बदलाव को लेकर अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने एक समस्या को बताते हुए केंद्रीय सड़क मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात का समय मांगा,इस पर नितिन गडकरी की तरफ से भी तुरंत जवाब दिया गया। इसके साथ ही प्रश्नकाल खत्म होते ही प्रियंका से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान गडकरी ने प्रियंका गांधी को चावल से बनी डिश भी खिलाई। केरल से वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा के प्रश्नकाल में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से चंडीगढ़-शिमला रूट को लेकर सवाल किया था। इसके बाद उन्होंने ये भी कह दिया कि सर मैंने अपने संसदीय क्षेत्र के कामों के लिए जून से आपसे मिलने का वक्त मांग रही हूं,कृपया हमें समय दे दीजिए. जून महीने से समय मांगने के बाद भी समय नहीं दिया जा रहा है। इसीलिए निवेदन है कि मुलाकात का समय दे दीजिए। प्रियंका गांधी ने जब भरी संसद में नितिन गडकरी से मुलाकात का समय मांगा तो उन्होंने इस पर तुरंत जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी अप्वाइंटमेंट की जरूरत नहीं है। हमारे यहां दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं। आप अभी प्रश्नकाल के बाद मेरे संसद के ऑफिस आईए। मैं आपसे बात करता हूं और आपकी बात सुनता हूं। शायद प्रियंका गांधी ने भी गडकरी से इस तरह के जवाब की उम्मीद नहीं की थी। प्रश्नकाल समाप्त होते ही गडकरी और प्रियंका गांधी के बीच मुलाकात भी हुई।

C M Y K

संपादकीय

कब सही है तलाक? टूटे विवाह पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने 24 साल से अलग रह रहे एक जोड़े के तलाक को मंजूरी देते हुए कहा कि टूटे हुए विवाह को जबरदस्ती जारी रखना क्रूरता है। यह फैसला उन लाखों लंबित तलाक मामलों के बीच महत्वपूर्ण है, जहाँ सामाजिक दबाव के कारण रिश्ते अनचाहे ही बने रहते हैं...

किसी के भी जीवन में 24 साल बहुत मायने रखते हैं,लेकिन जब इतना वक्त किसी ऐसे रिश्ते को ढोते हुए गुजरे, जिसमें कोई जान न बची हो,तो इससे बड़ी सजा कोई और नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी ही एक शादी को भंग करते हुए बिल्कुल ठीक कहा कि पूरी तरह टूट चुके विवाह को जबरदस्ती जारी रखना न केवल पति-पत्नी के साथ क्रूरता है,बल्कि समाज के लिए भी नुकसानदेह है। इस मामले में पति-पत्नी पिछले 24 बरसों से अलग रह रहे थे। तलाक की अर्जी पति ने दायर की थी, जिसे फैमिली कोर्ट ने तो स्वीकार कर लिया,लेकिन गुवाहाटी हाई कोर्ट ने रोक लगा दी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का रुख इसलिए महत्वपूर्ण है,क्योंकि उसने साफ कर दिया कि पति-पत्नी के बीच अगर सामंजस्य नहीं बन रहा, तो उन्हें जबरदस्ती साथ रखने का कोई औचित्य नहीं है। कानूनी रूप से भले ऐसी शादियां बची रहें,पर अपना मकसद खो देती हैं।

भारत की परिवार अदालतों में तलाक के लाखों केस पेंडिंग है। सरकार ने 2022 में संसद में 11.4 लाख का आंकड़ा दिया था। हालांकि दुनिया से तुलना करें,तो यह संख्या बेहद कम है। देश में तलाक की दर कई दशकों तक केवल 1त्न रही। अमेरिका के 45 प्रतिशत या ब्रिटेन के 41 प्रतिशत के मुकाबले यह आंकड़ा कुछ भी नहीं। लेकिन, इस आंकड़े के पीछे का एक दूसरा सच भी है। भारत में शादी का फैसला आमतौर पर लड़का-लड़की के परिवार वाले करते हैं और समाज की रजामंदी भी उस पर होती है। जब सब अच्छा चल रहा हो, तब तो यह सकारात्मक बात है, लेकिन रिश्तों में उतार-चढ़ाव के दौरान कई बार इसी वजह से अनचाहा दबाव पैदा होता है। यही दबाव रिश्ते को उस समय भी जारी रखने के लिए मजबूर करता है, जब सुलह की थोड़ी भी गुंजाइश न बची हो। भारतीय समाज में तलाक एक वर्जित विषय रहा है। कानूनन पति-पत्नी को अलग होने का अधिकार है, पर लंबी अदालती प्रक्रिया और समाज का दबाव इसमें मुश्किलें पैदा करता है। लेकिन इसे नकारात्मक रूप से लेना गलत है। अदालतों को बेशक पहले शादी बचाने की कोशिश करनी चाहिए, पर आखिरी फैसला हालात और पति-पत्नी के हितों को देखकर होना चाहिए। गरिमापूर्ण जीवन और नई शुरुआत का हक सभी को है।

अशफाक उल्ला खां : मां भारती के अमर पुत्र

स्वाधीनता संग्राम के समय काल में भारत माता की पावन रज में लोट-लोट कर बड़े हुए युवकों ने मां की आराधना में निज जीवन के सुवासित पुष्प चढ़ाये हैं। हंसते हुए फांसी के फंदों को चूम कर स्वयं गले में धारण कंठहार बना लिया तो वहीं कालचक्र की छाती पर अपनी वीरता की गाथा भी रुधिर से अंकित कर दी। इन वीरों में ही एक ऐसा नर-नाहर महनीय व्यक्तित्व थे मां भारती के अमर पुत्र अशफाक उल्ला खा जिसे सभी क्रान्तिकारी स्नेह से 'कुवर जी' कहा करते थे...

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

अशफाक जन्म 22 अक्टूबर, 1900 को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के एक जमींदार परिवार में हुआ था। पिता मो0 शफीक उल्ला खां और माता मजहूरुन्निशा बेगम शिशु के जन्म पर फूले न समाये थे। अशफाक अपने भाई बहनों में सबसे छोटे थे। इन्हे घर में सभी प्यार से 'अच्छू' बुलाते थे। बचपन से ही खेलने,तैरने,घुड़सवारी करने,बंदूक से निशाना साधने और शिकार करने का शौक था। मजबूत ऊंची कद-काठी और बड़ी आंखों वाले सुन्दर गौरवर्णी आकर्षक व्यक्तित्व के धनी अशफाक रामप्रसाद बिस्मिल की ही भांति उर्दू के अच्छे शायर थे। साथ ही हिन्दी और अंग्रेजी में भी कविताएं और लेख लिखते थे। वह हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक थे। एक बार शाहजहांपुर के आर्य समाज मंदिर में रामप्रसाद बिस्मिल के साथ बैठे क्रान्तिकारी दल के बारे में गहन चर्चा कर रहे थे कि तभी मंदिर को नष्ट एवं अपवित्र करने की मंशा से आये दंगाईयों पर अशफाक ने अपनी पिस्तौल तान कर कहा था कि यदि कोई भी आगे बढ़ा और एक भी ईंट का नुकसान हुआ तो लाशें बिछा दूंगा। अशफाक का यह रौद्र रूप देख दंगाई उल्टे पांव भाग खड़े हुए।

अशफाक का परिवार बहुत पढ़ा लिखा नहीं था जबकि ननिहाल पक्ष के लोग उच्च शिक्षित और महत्वपूर्ण नौकरियों में थे। ननिहाल के लोगों ने 1857 की पहली स्वतंत्रता की लड़ाई में साथ नहीं दिया था तो लोगों ने गुस्से में उनकी कोठी में आग लगा दी थी, जो आज भी 'जली कोठी' नाम से क्षेत्र में प्रसिद्ध है। वर्ष 1920 में अपने बड़े भाई रियासत उल्ला खां के सहपाठी मित्र रामप्रसाद बिस्मिल के सम्पर्क में आने के बाद अशफाक के मन में भी अंग्रेजों के प्रति विद्रोह की भावना भर गई और वह अंग्रेजों को देश से भगााने के लिए युवाओं को जो ने लगे थे। इसी बीच बंगाल के क्रान्तिकारियों से भी सम्पर्क बना और एक संगठन बनाने का निर्णय लिया गया। विदेश में रह रहे लाला हरदयाल भी बिस्मिल से सम्पर्क साधे हुए थे और संगठन बनाकर उसका संविधान लिखने का निर्देश दे रहे थे। इसी बीच अशफाक कांग्रेस दल में अपने लोगों की सहभागिता चाहते थे। इसलिए 1920 के अहमदाबाद अधिवेशन में बिस्मिल और अन्य साथियों के साथ अशफाक शामिल हुए। लौटकर भी सम्पर्क बना रहा और 1922 के गया अधिवेशन में भी जाना हुआ। लेकिन गांधी जी द्वारा बिना किसी से पूछे असहयोग आंदोलन वापस लेने से युवाओं का मन खराब हुआ और वहां से लौटने के बाद अपना एक दल बनाने की बात हुई। और तब 1924 में बंगाल से आये क्रान्ति कारियों के सहयोग से 'हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन'

अस्तित्व में आई। 1 जनवरी, 1925 को 'दि रिवोल्यूशनरी' नाम से अंग्रेजी में चार पन्ने का एक विचार पत्र निकाला गया जो एक प्रकार से दल का घोषणा पत्र ही था। जिसमें प्रत्येक पन्ने पर ऊपर लिखा हुआ था, ''चाहे छोटा हो या बड़ा,गरीब हो या अमीर, प्रत्येक को मुफत न्याय और समान अधिकार मिलेगा।'' इस पत्रक को पूरे देश के प्रमुख शहरों और सार्वजनिक स्थानों पर चिपकाया गया, ताकि अधिक से अधिक लोग पढ़ सके। दल के काम को बे ाने के लिए धन की आवश्यकता थी लेकिन दल को कोई भी सेठ-साहूकार चन्दा नहीं दे रहा था। संयोग से इसी बीच योगेश चन्द्र बनर्जी और शचीन्द्रनाथ सान्याल पर्चों के साथ बंगाल जाते समय पके लिए गये। अब दल क की पूरी जिम्मेदारी बिस्मिल और अशफाक पर आ गई। धन प्राप्ति के लिए अमीरों के यहां दो डकैती भी डाली गई लेकिन पर्याप्त धन नहीं मिल सका और दो आम लोगों की न चाहते हुए हत्या भी हो गई। इससे बिस्मिल का मन बहुत क्षुब्ध हुआ और भविष्य में कभी भी राजनीतिक डकैती न डालने का निश्चय कर अब सरकारी खजाना लूटने की योजना बनी। बैठक में बिस्मिल ने प्रस्ताव रखा कि काकोरी से ट्रेन द्वारा जाने वाले खजाने को लूटा जाये। बैठक में उपस्थित सभी साथी सहमत थे लेकिन अशफाक ने यह कहते हुए इस प्रस्ताव का जोरदार विरोध किया कि अभी हमारी ताकत अंग्रेज सरकार से सीधे लड़ने की नहीं है और खजाना लुटने के बाद पुलिस हमारे पीछे पड़ जायेगी और दल बिखर जायेगा। इस पर अशफाक को कायर और मृत्यु से डरने वाला कहा गया। अन्ततः अशफाक ने सहमति देते हुए कहा कि वह मौत से नहीं डरते और यह समय ही तय करेगा। तो योजनानुसार 26 अगस्त की शाम को '8 डाउन लखनऊ-सहारनपुर पैसेन्जर ट्रेन'' में 10 क्रान्तिकारी सवार हुए। जैसे ही काकोरी से खजाना लादकर ट्रेन आगे बढ़ी तो राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी ने जंजीर खींच दी। अशफाक ने लपक कर ड्राईवर की कनपटी में माउजर धर दिया। गार्ड ने मुकाबला करने की कोशिश की लेकिन बिस्मिल ने उसे जमीन पर औंधे मुंह गिरा कर काबू में कर लिया। खजाने की तिजोरी उतारी गई लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद भी ताले नहीं खुले। समय जाता देख अशफाक ने अपनी माउजर मन्मथनाथ गुप्त को पकड़ाकर घन से तिजोरी तो ने को पिल पड़े। अशफाक के जोरदार प्रहारों से तिजोरी में एक बड़ा छेद हो गया। चांदी के सिक्के और रुपया चादरों में समेटा गया और निकल गये। लेकिन जल्दबाजी में एक चादर छूट गई जो बाद में पुलिस की खोजबीन में क्रान्तिकारियों को पकड़ने का अहम जरिया बनी। इस घटना से अंग्रेज सरकार की बहुत किरकिरी हुई। और क्रान्तिकारियों को पकड़ने के लिए इनाम घोषित किये गये। पुलिस की जांच एवं खुफिया खोजबीन से पूरे देश में एक साथ 26 सितम्बर, 1925 को क्रान्तिकारियों के कई ठिकानों पर छापा मारकर 40 क्रान्तिकारियों को गिरफ्तार किया गया। लेकिन पुलिस तब भी अशफाक और चन्द्रशेखर आजाद को पकड़ने में नाकाम रही। अशफाक पुलिस को चकमा देकर नेपाल चले गये। वहां से कानपुर आकर गणेश शंकर विद्यार्थी के प्रेस में भी रहे फिर बनारस, राजस्थान,बिहार,भोपाल होते हुए दिल्ली पहुंचे। उनकी योजना पासपोर्ट बनवाकर देश से बाहर जाने की थी। लेकिन दिल्ली में किसी मित्र के विश्वासघात के कारण खुफिया पुलिस अधिकारी इकरामुल हक द्वारा पकड़े गये। हालांकि अदालत द्वारा काकोरी काण्ड का फैसला 6 अप्रैल,1926 को दिया जा चुका था। लेकिन अशफाक और शचीन्द्रनाथ बख्शी के विरुद्ध फिर से पूरक केस दायर किया गया, जिसका फैसला 13 जुलाई को आया जिसमें रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां राजेन्दंनाथ लाहिड़ी और ठाकुर रोशन सिंह को फांसी एवं 16 अन्य को चार वर्ष से लेकर काले पानी तक की सजाएं दी गईं। अदालत के आदेश के पालन करते हुए 19 दिसम्बर, 1927 दिन सोमवार को फैजाबाद जेल में अशफाक को फांसी दे दी गई। स्वतंत्रता की बलि बेदी पर मां भारती के एक और सपूत ने अपनी आहुति देकर जननी की कोख को गौरव प्रदान किया। आने वाली पीढ़ियां आपसे प्रेरित होती रहेंगी।

भारत की लड़कियों के लिए कौशल स्वतंत्रता,आत्मविश्वास और सुरक्षा का मार्ग है...

डॉ विजय गर्ग
मलोट पंजाब

भारत ने लड़कियों की शिक्षा तक पहुंच को मजबूत करने में दशकों बिताए हैं। छात्रवृत्ति,जागरूकता अभियान और सामुदायिक स्तर के अभियानों के माध्यम से देश पहले की तुलना में अधिक लड़कियों को कक्षाओं में लाने में सफल रहा है। प्राथमिक, माध्यमिक और यहां तक कि उच्च शिक्षा स्तर पर लड़कियों के नामांकन की दर में वृद्धि हुई है। फिर भी एक जिद्दी अंतर बना हुआ है जबकि अधिक युवा महिलाएं स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर लेती हैं, लेकिन उनमें से बहुत कम ही इसमें शामिल हो पाती हैं।

कार्यबल यह विच्छेद एक कठोर सत्य को उजागर करता है-केवल शिक्षा ही रोजगार की गारंटी नहीं दे सकती। भारतीय लड़कियों के लिए कौशल विकास, सीखने और आजीविका के बीच की लुप्त कड़ी है।

देश भर में हजारों युवा महिलाओं के पास डिग्री है लेकिन वे बेरोजगार हैं। यह एक गहन संरचनात्मक मुद्दे को दर्शाता है:साक्षरता और शैक्षणिक योग्यताएं, यद्यपि आवश्यक हैं, लेकिन स्वतः ही रोजगार में परिवर्तित नहीं होतीं। कई स्नातकों में समकालीन उद्योगों द्वारा अपेक्षित व्यावहारिक, डिजिटल और कार्यस्थल कौशल का अभाव होता है। इसे और भी जटिल बनाते हुए सामाजिक मानदंड और सांस्कृतिक अपेक्षाएं हैं जो अक्सर शिक्षा के लाभों को ढक देती हैं। कई लड़कियों के लिए पारिवारिक प्रतिबंध, लिंग रूढ़िवादिता और उचित काम के बारे में विचार शिक्षा को वित्तीय स्वतंत्रता में बदलने की उनकी क्षमता को सीमित करते हैं।

ये सामाजिक बाधाएं हर चीज को आकार देती हैं:-चाहे किसी महिला को काम करने की अनुमति हो या नहीं, से लेकर वह किस प्रकार का काम स्वीकार कर सकती है। परिवार अक्सर ऐसी भूमिकाओं से बचते हैं जिनमें यात्रा,शारीरिक कार्य या देर तक काम करना शामिल होता है,जिससे शिक्षित महिलाओं को भी संकीर्ण, कम विकास वाले कैरियर पथ पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है।आत्मविश्वास-निर्माण और संचार क्षमताएं-आज की कार्य संस्कृति में महत्वपूर्ण कौशल-पारंपरिक कक्षाओं में शायद ही कभी पोषित होते हैं, जिससे कौशल विकास कार्यक्रम आवश्यक हो जाते हैं।

भारत के विशाल अनौपचारिक क्षेत्र में वास्तविकता और भी कठोर हो जाती है, जहां 90 प्रतिशत से अधिक कामकाजी महिलाएं केंद्रित रहती हैं। अधिकांश लोग अकुशल हैं और कम वेतन वाली,असुरक्षित नौकरियों में लगे हुए हैं-घरेलू काम,कृषि,सिलाई, निर्माण,घर पर आधारित उत्पादन या सूक्ष्म उद्यम। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में,महिलाओं को कौशल की गंभीर कमी का सामना करना पड़ता है और वे अस्थिर नौकरियों में फंसी रहती हैं,जहां उनकी गतिशीलता कम होती है। कौशल विकास इस दिशा को बदल सकता है। डिजिटल साक्षरता में प्रशिक्षण महिलाओं को कम उत्पादकता वाले काम से स्थिर, बेहतर वेतन वाले अवसरों की ओर बढ़ने में मदद करता है। आज के उद्योग-चाहे स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण, आतिथ्य, प्रौद्योगिकी या खुदरा-सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक क्षमता के मिश्रण की मांग करते हैं,और कौशल प्रशिक्षण इस पुल को प्रदान करता है।

जब महिलाएं कौशल प्राप्त करती हैं,तो इसका प्रभाव रोजगार से कहीं आगे तक जाता है। कुशल महिलाएं आर्थिक उत्पादकता,नवाचार और समावेशी विकास को मजबूत करती हैं। परिवारों के भीतर,एक कामकाजी बेटी या माँ वित्तीय सुरक्षा और निर्णय लेने की शक्ति को बढ़ाती है। इसके अलावा,कुशल श्रमिक उचित वेतन पर बातचीत करने,शोषण का विरोध करने और औपचारिक रोजगार में जाने के लिए बेहतर स्थिति में हैं।

भारत के लिए अगला कदम शिक्षा के हर चरण में कौशल विकास को एकीकृत करना होगा। ग्रामीण प्रशिक्षण केंद्रों का विस्तार किया जाना चाहिए, विशेष रूप से प्रतिबंधित गतिशीलता वाली लड़कियों के लिए। उद्योग के साथ साझेदारी यह सुनिश्चित कर सकती है कि प्रशिक्षण वास्तविक नौकरी बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप हो। महत्वपूर्ण बात यह है कि समुदायों और परिवारों को कौशल प्रशिक्षण को आवश्यक मानने के लिए संवेदनशील बनाया जाना चाहिए-न कि माध्यमिक शिक्षा। भारत की लड़कियों के लिए, कौशल स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और सुरक्षा का मार्ग है।

आप दूसरे के धर्म में टीका टिपण्णी या अंतर्विरोध ना करे

संजय गोस्वामी,
दुंदी बाजार, पटना बिहार

अभी क्रिसमस 25 दिसंबर को आ रहा जो खासकर ईसाई लोग मानते है उस पर बहुत सारे लोग टीका टिप्पणी में लगे रहते है जो सही नही है। पहले खुद को देखिये भगवान राम इधर बिहार के मुख्य मंत्री जी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में नियुक्ति पत्र देते समय कोई गलत विचारधारा से नहीं प्यार से थोड़ा सा नीचे हटाया और देश क्या विदेशों में हंगामा हो गया। अतः किसी का अपना मजहब है उसपर ना तो कोई ऐसी हरकत करें जिससे किसी को दुःख हो आप खुद को देंखे बहुत से देश में कोई धर्म नहीं है लेकिन वहाँ भी आतंकी हमला हो जाता है जैसे ऑस्ट्रेलिया में 45 प्रतिशत लोग किसी भी धर्म से तालुक नहीं रखते और वहाँ 15निर्दोष यहूदी की हत्या कट्टर पंथी आतंकी गुट ने की इसे सिर्फ इजराइल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू ने ही बहुत कड़े शब्दों में निंदा ही नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को भी आड़े हाथों में लिया क्योंकि वहाँ जितनी मुस्लिम आबादी 2 परसेंट है वहाँ उससे भी कम आबादी मुस्लिम की है और वहाँ एक मुस्लिम शख्स ने घायल होकर लोंगो को बचाया नहीं तो और भी जाने जा सकती थी । अतः धर्म में मानवता ही सबका मूल शिक्षा है। हर शरीर में आत्मा के रूप में प्रत्येक देहधारी के हृदय में विराजमान हैं लेकिन सच्चे आदमी को सकारात्मक लगता है और दुष्ट आदमी में वह दबा रहता है लेकिन साधारणतया मनुष्य का ध्यान भगवान राम में भी राजनीती सौदेबाजी करता है। उसमें बाह्य विषयरूप जगत की ओर ही रहता है इसलिए वह भगवान राम को जान नहीं पाता है लेकिन जो पुण्यात्मा लोग होते हैं तथा जिन पर भगवान राम की कृपा होती है ऐसे महापुरुष अपना ध्यान बाह्य जगत से हटाकर अपने अन्दर हृदय की ओर भगवान राम को स्थिर करते हैं, इस प्रकार बार-बार जीवन पर्यन्त अपने हृदय में भगवान के होने का अनुभव करने से पता नहीं वह माखनचोर कब आपके हृदय में प्रकट हो जाय । यदि प्रकट नहीं भी होते राम की साधना ही भगवान है। वह तो सदैव आपके पास रहती ही है। राम आपके आत्मा के रूप में है, कण कण में है ये अलग बात है। उनका साकार स्वरूप जहां प्रकट हो दीन

के रूप में जहाँ भी उनका पूरा आदर और सम्मान किया जाए ये भक्त की भावना से जुड़ी हुई बात है। किसी भी धर्म का अपमान नहीं होना चाहिए तो यदि आप कोई 25 दिसंबर को क्रिसमस नहीं मानते हैं और कोई इसे मनाना जारी रखते हैं तो उस व्यक्ति का हृदय दुखेगा। इसका अर्थ यह हो गया कि अपने पाप किया है। यही भागवत गीता की पाप और पुण्य की परिभाषा है। मुझको भी बहुत गुस्सा आती थी और अभी भी आपको जानकर आश्चर्य होगा मैं अपनी सोसाइटी के डस्टबिन में से यदि कोई फोटो या फ्रेम टूटा होता है और वह फोटो पूरी होती है या नहीं भी होती है तो उसको बाहर लाकर साफ करके कहीं पवित्र स्थान पर रखता हूं और अगर फटी भी होती है तो उसको केले की जड़ में डालता हूं जिससे खादबन जाए। दक्षिण भारत में यह बहुत गंदी आदत है जरा सा भी फ्रेम अगर किसी का टूट जाए तो वह पूरी फोटो कचरे में डाल देते हैं सड़क के किनारे और मैं सड़क के किनारे से अनेक फोटो उठाकर उनका साफ करके अपने घर में स्थान दिया है। जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। जब हमको सर्वत्र ब्रह्म दिखता है तो इसका अर्थ यह नहीं कि हम उसके साकार रूप के प्रयास का अपमान करें यह सहें। शिष्य का कर्तव्य है कि सद्गुरू द्वारा उपदेश पर लक्ष्य रखें। गुरु शिष्य सम्बन्ध आत्मिक है, केवल दिखावे अथवा कहने मात्र का नहीं। जगत में चार प्रकार के लोग होते हैं

1..जो न स्वयं खाते हैं,न खाने देते हैं।मरने के पश्चात इनका धन दूसरे उपयोग करते हैं।
2..जो स्वयं खाते हैं पर दूसरों को खाने नहीं देते हैं। ऐसे व्यक्तियों का धन भी उनकी मृत्यु के पश्चात दूसरे उपभोग करते हैं।
3..जो स्वयं भी खाते हैं,तथा दूसरों को भी खिला कर प्रसन्न रखते हैं।
4.. जिनके अपने लिए बचे न बचे, दूसरों को खिला कर ही उनको संतोष होता है। आगंतुकों,अतिथियों की सेवा अपना परम धर्म मानते हैं। ऐसे भक्तों का जीवन तपोमय होता है। वे प्राणी मात्र में अपने राम के ही दर्शन करते हैं। आज के स्वार्थ परायण युग में आध्यात्म की बातें लोगों को समझ नहीं आती।उसमें चौथे वर्ग के अनुसार चल पाना बहुत कठिन है। किंतु तीसरे वर्ग के अनुसार चलते हुए उदार चित्त तो बना ही जा सकता है जो भी व्यक्ति पूर्वजन्म में योगी होता है,वाल्यावस्था से ही उसका अन्तःकरण भगवान राम के अलौकिक आनन्द से भरा रहता है जिसे वह नहीं जानता कि मेरे अन्त्करण में ऐसा आनन्द क्यों है । जैसे-जैसे उसकी अवस्था बढ़ती है तो उसके आनन्द में कमी होने लगती है लेकिन वह भगवान राम की उपासना करने लगता है । एक ऐसी स्थिति आती है कि या तो शास्त्रों के अध्यन से अथवा गुरू के उपदेश से उसे ब्रह्म साक्षात्कार हो जाता है । ब्रह्म साक्षात्कार होने पर उसे बाल्यावस्था जैसा अलौकिक आनन्द प्राप्त हो जाता है तभी वह जान पाता है कि बाल्यावस्था में मुझे ब्रह्म का अलौकिक आनन्द प्राप्त था। अपने अहंकार से स्वयम् को अलग करने पर व्यक्ति को जो अनुभव होता है वही ब्रह्म है । सदा रहो रघुपति के दासा : राम रसायन प्रेम रस, पीवत अधिक रसाल। कबीर पीवन दुर्लभ है,मांगै सीस कपाल । कहा बह जाते मन भी है और स्वप्न भी है : एक को पकडो कोई शरीर खेल रहा कभी वो मंदिर कभी जाता है लेकिन ध्यान कहीं और में होता है तुम कहां होते [मन,बुध्दि में घुसा जा रहा,विवेक पता नहीं कहां बैठा,प्रज्ञा,बुध्दि में विलय,तीनों गुण अपना तांडव मचा रहे, पंचतत्व रुष्ट हैं,आत्मा दब गयी,परमात्मा न जाने कहां गयी,संसारः चित्तकृतो ह्येष चित्तनिर्वेदाद् भवति निवृत्तिः। ये राम जी को उनके गुरु महर्षि वसिष्ठ जी ने उपदेश दिया भगवान राम के नाम से संसार चित्त से उठता है और चित्त ब्रहम का स्पंदन है ऐसा जानकर तुम स्वरुप में स्थित हो योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः। यह पतंजलि योगसूत्र का प्रथम सूत्र है,जो योग की परिभाषा चित्त जब स्पंदित होता तो जागृत जब निसपंदित तो सुषुप्ति दोनों ही जहां से उठे वैसे ही स्थित जगत भी ब्रहम और राम का नाम ब्रहम है जो जगत है यही आचार्य शंकर ने कहा यथा राम का ध्यान करो किसी से भी न डरो तुम अकाट्य अचल अग्नि वायू और जल भी नष्ट नहीं कर सकता फिर शरीर धारी से क्या डरना मृत्यु छु नहीं सकती उससे कैसा भय चित्त से उठे सब पदार्थ आकाश रुप उन्हें पाने और छोड़ने का क्या विचार करना ये मिल जाये ऐसा बन जाऊं ऐसा हो तो अच्छा यही अविधा सब दुःखों का कारण है क्योंकि आकाश को मुढढी में बांधा नहीं जा सकता इसलिए शांत होकर पाने होने और खोने से रहित हो सवरुप में स्थिति-श्वेता श्वतरो पनिषद् निष्कलं निष्क्रिय शान्तं निरवद्यं निरञ्जनं। अमृतस्य परंसेतुं दग्धेन्धन मिवानलम्।(6-19) अर्थ समस्त कलाओं से रहित,क्रियारहित,सर्वथा शान्त, निर्दोष,निर्मल,अमृत के परम सेतु रूप तथा जले हुए ईंधन से युक्त अग्नि की भांति उन परमात्मा का चिंतन करता हूं। भाष्य धधकते अंगारे में जैसे अग्नि व्याप्त रहती है वैसे ही इस जगत में ब्रह्म व्याप्त है । जब ईंधन का पार्थिव अंश पूर्णतया भस्म हो जाता है तभी अंगारे में अग्नि धधकती है और जब तक पार्थिव अंश विद्यमान रहता है तब तक अग्नि धुएं के साथ जलती रहती है,लेकिन धधकती नहीं है । इसी प्रकार पुरुष में जब तक पार्थिव अंश अर्थात अहंकार विद्यमान है तब तक उसे धुवां अर्थात संसार ही दिखता है लेकिन जब अहंकार पूर्णतया नष्ट हो जाता है तो ब्रह्म उसी प्रकार प्रकट हो जाता है जैसे धधकते अंगारे में अग्नि स्पष्ट दिखाई देने लगती है। धधकते अंगारे में अग्नि निराकार,निष्क्रिय,शान्त,निर्दोष, निर्मल होते हुए भी वह अंगारे से सर्वथा रहित होती है। इसी प्रकार ब्रह्म,इस चराचर व परिवर्तनशील जगत में समस्त कलाओं से रहित,निराकार,क्रियारहित,सर्वथा शान्त, निर्दोष,निर्मल व सर्वत्र व्याप्त होता हुआ भी इस जगत से सर्वथा रहित है । इस प्रकार से जो भी साधक परमात्मा को जान लेता है वह जन्म-मृत्यु से रहित होकर परम शान्ति को प्राप्त हो जाता है ।

मानव एकजुटता से ही बचेगा मानव-सभ्यता का अस्तित्व

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस हर साल 20 दिसंबर को मनाया जाता है,जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2005 में घोषित किया था और इसका मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन,सतत विकास और विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों को एकजुटता के महत्व के बारे में जागरूक करना है,ताकि वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटा जा सके। इस दिवस को मनाते हुए मुख्य विचार है कि 'एकजुटता में नवाचार और प्रौद्योगिकी','युवा-नेतृत्व वाली एकजुटता' और 'सतत विकास लक्ष्यों के लिए एकजुटता'जैसे विषयों पर केंद्रित है। आज की दुनिया एक विचित्र और विरोधाभासी दौर से गुजर रही है। एक ओर विज्ञान, तकनीक और संचार ने पूरी पृथ्वी को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है,तो दूसरी ओर मनुष्यों के बीच की दूरी,गरीबी,अशिक्षा, अविश्वास और वैमनस्य लगातार बढ़ता जा रहा है। युद्ध,आतंक, हिंसा,नस्लवाद,धार्मिक कट्टरता और आर्थिक असमानता ने मानव सभ्यता के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मानव एकता एवं एकजुटता दिवस न केवल नये मानवीय मूल्यों से प्रेरित समतामूलक समाज-संरचना की प्रेरणा है,बल्कि मानव जाति के लिए आत्ममंथन और आत्मसुधार का अवसर है। इस दिवस की मूल भावना यही है कि गरीबी का उन्मूलन हो, विकास अंतिम आदमी तक पहुंचे,मनुष्य पहले मनुष्य बने, उसके बाद उसकी पहचान राष्ट्र,धर्म,भाषा,रंग या विचारधारा से हो। आज जब दुनिया अनेक खेमों में बँटती जा रही है, तब सभी मानव पहले मानव की चेतना को पुनः जाग्रत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। भारतीय चिंतन ने सदियों पहले वसुधैव कुटुम्बकम् का जो सूत्र दिया था,वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है,बल्कि पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है, बल्कि यह भी है कि परिवार के हर सदस्य का सुख-दुःख,सम्मान और अस्तित्व समान रूप से महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्यवश आधुनिक विश्व ने इस सूत्र को एक सुंदर नारे तक सीमित कर दिया है। व्यवहार में हम राष्ट्रहित, संप्रदायहित और व्यक्तिगत स्वार्थ को मानवहित से ऊपर रख देते हैं। परिणामस्वरूप युद्ध की आग में निर्दोष बच्चे झुलसते हैं,आतंक की छाया में सामान्य नागरिक भय के साथ जीने को मजबूर होते हैं और आर्थिक शोषण के कारण करोड़ों लोग अभाव और भूख की रेखा के नीचे जीवन बिताते हैं। मानव एकता का दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि जब तक मनुष्य की दृष्टि संकीर्ण रहेगी, तब तक शांति केवल एक सपना बनी रहेगी। आज के युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे,वे विचारों, सूचनाओं और मानसिकताओं में भी लड़े जा रहे हैं। कहीं नस्ल के नाम पर घृणा फैलाई जा रही है, कहीं धर्म के नाम पर हिंसा को सही ठहराया जा रहा है, तो कहीं राष्ट्रवाद के उग्र स्वर मानवता की कोमल आवाज को दबा रहे हैं। आतंकवाद इसी विकृत मानसिकता का सबसे घातक रूप है,जो न धर्म को मानता है,न मानव मूल्यों को। ऐसे में शांति की बातें करना कई लोगों को आदर्शवादी या अव्यावहारिक लग सकता है, किंतु इतिहास साक्षी है कि हिंसा ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। अस्तित्व की रक्षा केवल शांति, संवाद और सह-अस्तित्व से ही संभव है। मानव एकता दिवस इसी सत्य को वैश्विक चेतना में पुनः स्थापित करने का प्रयास है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

नेशनल हेराल्ड केस : कांग्रेस ने भाजपा कार्यालय का घेराव किया,मोदी सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
नेशनल हेराल्ड केस में दिल्ली की विशेष अदालत द्वारा कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को राहत मिलने के बाद, कांग्रेस ने भाजपा कार्यालय का घेराव किया। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि मोदी सरकार ने ईडी का दुरुपयोग कर कांग्रेस नेताओं को बदनाम करने की सुनियोजित साजिश रची है। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। रैली के बाद,कांग्रेस ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार से माफी मांगने के साथ-साथ इस्तीफे की भी मांग की। नेशनल हेराल्ड केस में विशेष अदालत ने ईडी द्वारा प्रस्तुत चार्जशीट को खारिज कर दिया था,जिसमें कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मनी लॉड्रिंग का आरोप था।

कांग्रेस का कहना है कि इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई थी और न ही कोई कैश लेन-देन हुआ था। कांग्रेस ने बताया कि यंग इंडिया नाम की कंपनी का गठन किया गया था, जिसके 6 शेयरधारकों में सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी शामिल थे, और इस कंपनी ने नेशनल हेराल्ड, नवजीवन और कौमी एकता अखबारों को आर्थिक संकट से उबारने के लिए मदद की थी। इस मामले को भाजपा ने जानबूझकर विवादित बनाने और गांधी परिवार को बदनाम करने के लिए 10 वर्षों तक जांच करवायी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा, 'भाजपा और संघ परिवार ने हमेशा से गांधी परिवार को बदनाम करने की साजिश की है,और नेशनल हेराल्ड केस उसी साजिश का हिस्सा है।' उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने बोफोर्स मामले में भी राजीव गांधी को बदनाम करने का प्रयास किया था, लेकिन कोई ठोस तथ्य सामने नहीं आया। उन्होंने यह आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ईडी का दुरुपयोग कर विपक्ष, खासकर राहुल गांधी की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद खान ने भी मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा,'भाजपा सरकार विपक्ष को दबाने के लिए संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है। अदालत के निर्णय से यह साफ हो गया है कि सरकार का उद्देश्य केवल गांधी परिवार को बदनाम करना था।' इस प्रदर्शन में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया, जिनमें उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, पीसीसी महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. लालचंद यादव,और अन्य कई महत्वपूर्ण नेता शामिल थे। कांग्रेस ने यह भी स्पष्ट किया कि वह लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रखेगी और भाजपा सरकार द्वारा किए गए किसी भी तरह के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी।

नेशनल हेराल्ड प्रकरण...कांग्रेस का भाजपा कार्यालय घेराव असफल...भाजपा ने किया पुतला दहन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कांग्रेस पार्टी का अंबिकापुर स्थित भाजपा कार्यालय का घेराव करने का प्रयास पूरी तरह असफल रहा। प्रशासन की तत्परता और भाजपा कार्यकर्ताओं के संयम के कारण कांग्रेस का यह राजनीतिक स्टंट विफल हो गया। इसके बाद, भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता शहर के घड़ी चौक पहुंचे,जहां कांग्रेस की भ्रष्ट और वंशवादी राजनीति के विरोध में सोनिया गांधी और राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि नेशनल हेराल्ड मामला कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से जुड़ा गंभीर भ्रष्टाचार का प्रकरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी कानून अपना काम करता है,कांग्रेस सड़कों पर उतरकर दबाव बनाने और भ्रम फैलाने का प्रयास करती है। सिसोदिया ने कहा कि कांग्रेस की आदत बन चुकी है एजेंसियों पर आरोप लगाना और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन न करना। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा कानून के शासन में विश्वास करती है और स्वतंत्र जांच एजेंसियां सबूतों के आधार पर कार्य करती हैं, न कि किसी के दबाव में।

सिसोदिया ने यह भी कहा कि कांग्रेस की विक्टिम कार्ड राजनीति अब जनता के सामने उजागर हो चुकी है और आगामी समय में कांग्रेस को इसका करारा जवाब मिलेगा। इस मौके पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे, जिनमें महामंत्री अरुणा सिंह, उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला, विकास पांडे, निश्चल प्रताप सिंह सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे।

मारपीट के मामले में भाजपा पार्षद के बेटे सहित 6 गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
मणिपुर थाना क्षेत्र के दर्रीपारा में 15 दिसंबर की रात भाजपा पार्षद के बेटे अपने गैंग के साथ मिलकर दो युवकों की बेदम पिटाई की थी। मामले में मणिपुर पुलिस ने दो नाबालिग सहित 6 आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी में भाजपा पार्षद के पुत्र भी शामिल है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार राहुल सोनवानी अपने दोस्त शुभम रवि के साथ दर्रीपारा में किराए के मकान में रहकर पढ़ाई करता है। घटना दिवस 15 नवंबर की रात करीब 9.30 बजे दर्रीपारा निवासी उदय साहू, उत्तम साहू, आकाश यादव, अखिल सोनी, समीर मुंडा, रौनक मुखर्जी पहुंचे और राहुल सोनवानी व शुभम रवि के साथ मारपीट करने लगे। इसके बाद दोनों को जबरन डॉ. अनूपम मिंज के घर के पास झाड़ी में ले गए और वहां भी दोनों के साथ मारपीट की। इसके बाद दोनों दोस्तों को लेकर भाजपा पार्षद के बेटे विशाल साहू के घर ले गए वहां भी सभी ने मारपीट की। राहुल सोनवानी की रिपोर्ट पर मणिपुर पुलिस ने भाजपा पार्षद के बेटे विशाल साहू सहित 7 के खिलाफ नामजद व अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। पुलिस ने समीर मुंडा को पूर्व में ही गिराफ्तार क चुकी थी। जबकि अन्य आरोपी फरार चल रहे थे। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने पहचान कर फरार आरोपी राजा साहू उर्फ संजय पिता रौनिक साहू, (32), उदय साहू पिता बलराम साहू, (22), रोशन सोनी पिता कामता सोनी (22),आकाश यादव पिता उर्फ छोटू यादव, (20),विशाल साहू पिता सूर्य प्रकाश साहू (27) सहित अन्य दो नाबालिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी दर्रीपारा थाना मणिपुर के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा धारा - 296,351(3),191(2), 191(3),190,115(2), 118(1),331(8),127(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

नवीन इंजीनियरिंग संस्थान पर जीएसटी की बड़ी छापेमारी,12 घंटे से अधिक चली जांच

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर में बुधवार को जीएसटी विभाग ने बड़ी छापेमार कार्रवाई की है। शहर के एमजी रोड स्थित नवीन इंजीनियरिंग संस्थान में सेंट्रल जीएसटी की टीम ने अचानक दबिश दी और लगातार 12 घंटे से अधिक समय तक दस्तावेजों,मशीनों और डिजिटल रिकॉर्ड की गहन जांच की। गुरुवार को भी यह कार्रवाई जारी रही,जिससे शहर के व्यापारिक वर्ग में हलचल मच गई है। जानकारी के अनुसार, सेंट्रल जीएसटी की टीम बुधवार को रायपुर से अंबिकापुर पहुंची थी। टीम ने एमजी रोड स्थित नवीन इंजीनियरिंग संस्थान में पहुंचते ही जांच शुरू कर दी। इस दौरान संस्थान से जुड़े बिल,वाउचर,लेखा दस्तावेजों के साथ-साथ कंप्यूटर, हार्ड डिस्क और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं। अधिकारियों ने वित्तीय लेन-देन और टैक्स से जुड़े डिजिटल रिकॉर्ड का भी बारीकी से परीक्षण किया। नवीन इंजीनियरिंग संस्थान सरगुजा संभाग के सबसे प्रतिष्ठित और बड़े हैवी मशीन मैन्युफैक्चरिंग प्लांटों में गिना जाता है। यह संस्थान न केवल भारी मशीनों का निर्माण करता है,बल्कि विभिन्न सरकारी विभागों को उपकरणों और मशीनों की सप्लाई भी करता है। इसके अलावा कंपनी 'ज्वाय' ब्रांड की इलेक्ट्रिक बाइक का निर्माण भी करती है। कृषि क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाली मशीनों के निर्माण और बिक्री में भी यह प्रतिष्ठान सक्रिय भूमिका निभाता है। सूत्रों के अनुसार,जीएसटी विभाग को लंबे समय से यह जानकारी मिल रही थी कि संस्थान में निर्मित मशीनों की वास्तविक उत्पादन लागत को कागजों में कम दिखाया जा रहा है। आरोप है कि इसी तरीके से टैक्स देयता घटाकर बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी की जा रही थी। इसी आशंका के आधार पर CGST की टीम ने छापेमारी की कार्रवाई की। विभागीय सूत्रों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं,तो टैक्स चोरी की राशि काफी बड़ी हो सकती है। छापेमारी के दौरान टीम ने संस्थान के स्टॉक रजिस्टर, खरीद-बिक्री से जुड़े रिकॉर्ड, जीएसटी रिटर्न और बैंकिंग लेन-देन के दस्तावेजों का मिलान किया।

साथ ही मशीनों के उत्पादन से संबंधित तकनीकी दस्तावेज और लागत से जुड़े आंकड़ों की भी जांच की जा रही है। जांच प्रक्रिया के दौरान किसी भी बाहरी व्यक्ति को संस्थान के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। जब मीडिया कर्मियों ने मौके पर मौजूद जीएसटी अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की,तो उन्होंने इस कार्रवाई को 'सामान्य प्रक्रिया' बताया।

अधिकारियों का कहना है कि यह नियमित जांच का हिस्सा है और फिलहाल किसी भी तरह की अनियमितता या कार्रवाई के निष्कर्ष पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। उनका कहना है कि सभी दस्तावेजों का मिलान और विश्लेषण पूरा होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए बच्चों ने पेंटिंग के मध्यम से किया जागरुक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
गांधी स्टेडियम में सरगुजा पुलिस द्वारा बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के प्रति बढ़ते अपराधों को रोकना था। कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें साइबर अपराधों के खतरों और उनकी रोकथाम पर आधारित चित्रों का प्रदर्शन किया गया।

सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग बनाने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया,जो इस पहल का हिस्सा बने। कार्यक्रम में आईजी दीपक झा ने साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाने और उनसे निपटने के उपायों पर अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आम नागरिकों को इनसे सुरक्षित रहने के उपायों को जानना जरूरी है।

मद्य निषेध दिवस पर जनजागरूकता रैली,नशामुक्ति की दिलाई शपथ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
बाबा गुरु घासीदास जयंती एवं रजत जयंती वर्ष 2025 के अवसर पर समाज कल्याण विभाग, सरगुजा द्वारा गुरुवार को मद्य निषेध दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत नशामुक्ति एवं मद्य निषेध के प्रति जन जागरूकता विकसित करने हेतु घड़ी चौक से गांधी चौक,अंबिकापुर तक रैली निकाली गई। रैली में विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। रैली में महापौर श्रीमती मंजूषा भगत विशेष रूप से शामिल रहीं। गांधी चौक में रैली की समाप्ति के पश्चात आयोजित सभा को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि नशा नाश का कारण है। इसके सेवन से स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ते हैं तथा यह पारिवारिक कलह का भी एक बड़ा कारण बनता है। उन्होंने कहा कि विकसित समाज एवं राष्ट्र के निर्माण के लिए नशामुक्ति की दिशा में ठोस कदम उठाना आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन एवं रूपरेखा की प्रस्तुति उप संचालक, समाज कल्याण विभाग,सरगुजा श्री व्ही. के. उइके द्वारा की गई। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के प्रतिनिधियों द्वारा भी संबोधन किया गया तथा नशा सेवन से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी उपस्थित जनसमूह को दी गई। कार्यक्रम के अंत में महापौर श्रीमती मंजूषा भगत द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर स्कूलों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थी, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

टोनही प्रताड़ना मामला : दो फरार बैगा गिरफ्तार,10 आरोपी जेल में

-संवाददाता-
जशपुर18 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में महिला को टोनही बताकर मारपीट करने के गंभीर मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो फरार बैगाओं को गिरफ्तार कर लिया है। इस प्रकरण में अब तक कुल 10 आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा जा चुका है। मामला जशपुर जिले के दुलदुला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भिंजपुर का है, जहां अंधविश्वास के चलते एक महिला को अमानवीय प्रताड़ना का शिकार बनाया गया। घटना 8 नवंबर की बताई जा रही है। पीड़िता फौसी बाई (53) ने दुलदुला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गांव के कुछ लोगों ने उस पर 'टोनही' होने का आरोप लगाते हुए उसके साथ मारपीट की। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 351(2), 115(2), 333, 190, 191(2) तथा छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस जांच में सामने आया कि रायपुर निवासी सुनीता भगत अपने गृह ग्राम भिंजपुर आई हुई थीं। इसी दौरान उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उनकी मौत हो गई। परिजनों ने अंतिम संस्कार तो कर दिया, लेकिन अंधविश्वास के चलते उन्हें संदेह हुआ कि सुनीता की मौत किसी की 'नजर' या टोनही प्रभाव से हुई है। इसी संदेह के आधार पर मृतका के परिजनों ने रायगढ़ जिले के एक कथित बैगा कृपा चौहान से संपर्क किया। बैगा ने अपने साथियों के साथ मिलकर तंत्र-मंत्र के जरिए मृतका को जिंदा करने का दावा किया और इस प्रक्रिया के नाम पर परिजनों से पैसे भी वसूले। बैगाओं ने गांव पहुंचकर कब्र के पास तंत्र-मंत्र किया और लगातार और पैसों की मांग करने लगे। जब परिजनों ने यह कह दिया कि मृतका को जिंदा करने के बाद ही बाकी रकम दी जाएगी।

तब बैगाओं ने अपनी असफलता छिपाने के लिए गांव की ही महिला फौसी बाई पर टोनही होने का आरोप मढ़ दिया। इसके बाद मृतका के परिजन और अन्य ग्रामीणों ने मिलकर फौसी बाई के साथ मारपीट की। पुलिस ने इस मामले में पहले ही मृतका के परिजनों समेत दो बैगाओं को गिरफ्तार कर कुल 8 आरोपियों को जेल भेज दिया था। वहीं,दो अन्य बैगा–रत्थू राम चौहान (53) और विरनची महतो (63)–घटना के बाद से फरार चल रहे थे। दोनों आरोपी सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लेंथरा के निवासी हैं। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों फरार आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की और ग्राम लेंथरा से उन्हें हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से तंत्र-मंत्र में प्रयुक्त बंदर की हड्डी भी जब्त की है। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। तब बैगाओं ने अपनी असफलता छिपाने के लिए गांव की ही महिला फौसी बाई पर टोनही होने का आरोप मढ़ दिया। इसके बाद मृतका के परिजन और अन्य ग्रामीणों ने मिलकर फौसी बाई के साथ मारपीट की।

पुलिस ने इस मामले में पहले ही मृतका के परिजनों समेत दो बैगाओं को गिरफ्तार कर कुल 8 आरोपियों को जेल भेज दिया था। वहीं, दो अन्य बैगा–रत्थू राम चौहान (53) और विरनची महतो (63)–घटना के बाद से फरार चल रहे थे। दोनों आरोपी सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लेंथरा के निवासी हैं। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दोनों फरार आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की और ग्राम लेंथरा से उन्हें हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से तंत्र-मंत्र में प्रयुक्त बंदर की हड्डी भी जब्त की है। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

सरगुजा के जनजातीय युवाओं ने किया अमरकंटक में देवदर्शन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
जनजाति गौरव युवा समाज सरगुजा द्वारा सरगुजा संभाग के जनजातीय युवाओं के साथ दो दिवसीय देवदर्शन एवं वनसंचार कार्यक्रम अमरकंटक में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सरगुजा क्षेत्र से लगभग दो सौ युवाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास और सामाजिक चेतना का जागरण करना था। अमरकंटक यात्रा के दौरान युवाओं ने मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर स्नान किया,सोनमुडा के सोन नदी के उद्गम स्थल, माई की बगिया, जैन मंदिर और कपिलधारा जलप्रपात का दर्शन किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष इंदर भगत ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, हमारा देश आध्यात्मिक और सामाजिक चेतना से समृद्ध है, और अमरकंटक इसका जीता-जागता उदाहरण है। यह स्थल जनजातीय क्षेत्र की पवित्रता और संस्कृति को समझने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम की सफलतापूर्वक व्यवस्था सरगुजा जिला के युवा पदाधिकारियों द्वारा की गई थी। जिला अध्यक्ष पावन पूर्णाहुति भगत,उपाध्यक्ष सचिन भगत, सोनिया मुंडा और अन्य युवाओं के सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर कई प्रमुख जनजातीय युवाओं ने समाज में अपने नेतृत्व की क्षमता विकसित करने और सामाजिक सुधार के लिए काम करने का संकल्प लिया। युवाओं ने इस यात्रा से प्रेरित होकर अपने समाज की सेवा करने और सामाजिक बुराइयों को दूर करने की ठानी।

मारपीट के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,18 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
सीतापुर पुलिस ने मारपीट के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। निहाल खलखो सीतापुर थाना क्षेत्र उरांवपारा का रहने वाला है। वह थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 1 दिसंबर को पुराने विवाद को लेकर एक दर्जन लोगों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने मामले में आरोपी सुहैल खान,रसालत खान,आसिफ खान,महफूज खान,अनिल कुशवाह, हिलाल खान,जावेद अहमद,फैजुल्ला खान,साबिर खान,अतिक खान,छोटू उर्फ समुन्दुद्दीन,मो. फरहान,मो. मुजाहिद,बिट्टू उर्फ ज्वाला दास महंत,चंदन दास,वाजिद खान,महफूज आलम,हसरत उल्ला खान,आसिफ राजा उर्फ नफीस को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा था।

राष्ट्रीय पशु की निर्मम हत्या...बाघ की मौत मामले में महिला सरपंच समेत 6 गिरफ्तार

घर से बरामद हुए बाघ के नाखून-बाल, करंट बिछाकर किया गया शिकार

-संवाददाता-
सूरजपुर, 18 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व क्षेत्र में राष्ट्रीय पशु बाघ की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। सूरजपुर जिले के रेवटी जंगल में करंट लगाकर मारे गए नर बाघ के मामले में महिला सरपंच समेत 6 आरोपियों को वन विभाग ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से बाघ के नाखून और बाल बरामद किए गए हैं,जो इस अपराध को सिर्फ शिकार नहीं बल्कि अवैध वन्यजीव तस्करी से जोड़ते हैं,यह मामला केवल एक बाघ की मौत नहीं है,यह सत्ता, लालच और अपराध के गठजोड़ का आईना है,जब गांव का सरपंच ही वन्यजीव अपराध में लिप्त हो,तो सवाल सिर्फ कानून का नहीं, नैतिक पतन का भी है।

तीन दिन पहले मिला था बाघ का शव

15 दिसंबर को सूरजपुर जिले के घुई वन परिक्षेत्र अंतर्गत रेवटी जंगल में नर बाघ का शव मिला था। प्रारंभिक जांच में ही मामला संदिग्ध लग रहा था क्योंकि शव से बाघ के नाखून और बाल गायब थे, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में साफ पुष्टि हुई कि बाघ की मौत करंट लगने से हुई।

सरपंच के घर से निकले सबूत

वन विभाग की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी, बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत परसडीहा की सरपंच सिसका कुजूर का नाम सामने आया,पूछताछ

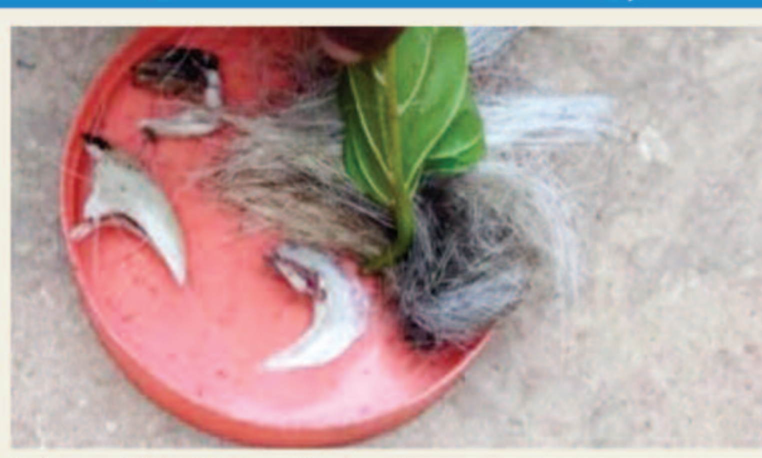

के दौरान उसकी निशानदेही पर बाघ के नाखून और बाल उसके घर से बरामद किए गए। इसके बाद सरपंच को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया।

करंट बिछाने से लेकर हत्या तक की साजिश

पूछताछ में खुलासा हुआ कि जंगली सुअर के शिकार के लिए जंगल में करंट प्रवाहित तार बिछाया गया था, जिसकी चपेट में आकर बाघ की मौत हो गई, लेकिन नाखून और बाल निकालना यह साबित करता है कि यह सिर्फ 'दुर्घटना' नहीं, बल्कि संगठित वन्यजीव अपराध था।

ये हैं गिरफ्तार आरोपी

- सिसका कुजूर (35 वर्ष) - सरपंच, ग्राम पंचायत परसडीहा
- दिनेश कुजूर (31 वर्ष) - ग्राम भैंसामुंडा
- अभिषेक रोशन (25 वर्ष)
- मिथलेश सिंह (24 वर्ष) - ग्राम कैलाशपुर
- रामनाथ सिंह (25 वर्ष)
- भोला प्रसाद (46 वर्ष)

सभी आरोपियों को गुरुवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

टाइगर रिजर्व में दर्ज घटनाओं का ट्रेंड (अनुमानित पैटर्न)

भारत (2019-2024)
- बाघ/तेंदुआ/हाथी की मौत में
- 30-35% मामले करंट से
- ग्रामीण सीमावर्ती इलाकों में
- हर 10 में 4 मौतें करंट से

छत्तीसगढ़ (टाइगर रिजर्व व कॉरिडोर क्षेत्र)

करंट शिकार की घटनाओं में
- पिछले 5 साल में 960% वृद्धि
- गुरु घासीदास-तमोर पिंगला क्षेत्र
- हाई-रिस्क ज़ोन के रूप में चिन्हित

नोट : अधिकांश घटनाएं शुरुआत में 'दुर्घटना' बताकर दबाने की कोशिश होती है।

करंट शिकार क्यों बढ़ रहा है? (डेटा से निकले कारण)

1. सूअर शिकार की आड़
- 70% मामलों में दावा:'सूअर के लिए लगाया था
- लेकिन शिकार बने:
- बाघ 7 तेंदुआ 7 हाथी

2. स्थानीय सत्ता का संरक्षण
- पंचायत प्रतिनिधि/प्रभावशाली ग्रामीण
- अपराध की रिपोर्टिंग देर से
- सबूत गायब (नाखून,दांत,बाल)

3. कम सजा,ज्यादा मुनाफा
- करंट लगाने में लागत: 500-2000
- बाघ के अंगों का अवैध बाजार मूल्य: लाखों रुपये

सीमावर्ती इलाकों में पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं...

वन विभाग के अनुसार सूरजपुर और बलरामपुर जिले की सीमा से लगे इलाकों में पहले भी करंट बिछाकर जंगली सुअर के शिकार की घटनाएं सामने आती रही हैं,लेकिन इस बार इसकी कीमत राष्ट्रीय पशु बाघ को चुकानी पड़ी।

वन विभाग का सख्त संदेश

वन विभाग ने स्पष्ट कहा है कि बाघ की हत्या एक जघन्य और अक्षम्य अपराध है। इसमें शामिल कोई भी व्यक्ति कानून से नहीं बचेगा,आरोपियों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत कड़ी धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है।

वन्यजीव अपराध का बदलता स्वरूप करंट शिकार : पारंपरिक बंदूक से आधुनिक तार तक पिछले एक दशक में वन्यजीव शिकार के तरीकों में बड़ा बदलाव आया है।

अवधि	प्रमुख शिकार तरीका
2000-2010	फंदा, बंदूक, जहर
2011-2018	तार फंदा, देसी ट्रैप
2019-2025	करंट प्रवाहित तार

करंट शिकार कम लागत, कम जोखिम और ज्यादा मारक होने के कारण तेजी से बढ़ा है।

करंट शिकार की पहचान के प्रमुख संकेत (फॉरेंसिक डेटा)

संकेत	अर्थ
नाखून/बाल गायब	तस्करी की मंशा
शव के आसपास तार	करंट ट्रैप
पीएम में बर्न मार्क	Electrocution
घटना रात की	संगठित अपराध

रेवटी केस में सभी संकेत मौजूद हैं।

मवेशी तस्करी को विफल करने में थाना बसंतपुर को मिली कामयाबी

-संवाददाता-
बसंतपुर, 18 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले के बसंतपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मवेशी तस्करों को मवेशी को क्रूरता पूर्ण तरीके से वाहन मे ठूस-ठूस कर अंबिकापुर की ओर से उत्तर प्रदेश की ओर ले जाया जा रहाहै। मुखबिर की सूचना पर बसंतपुर पुलिस ने अपने हमारा स्टाफ को चेकिंग पर तैनात कर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी ग्राम वाड्राफनगर की ओर से आ रहे वाहन रोककर चेकिंग की जा रही थी जिसको देखकर मैं इस तस्कर तेज गति से गाड़ी लेकर भाग रहा था उनको उत्तर प्रदेश की पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद्ध करअपराध क्रमांक 223/2025 के तहत कार्रवाई कर विवेचना में लिया। जानकारी के अनुसार दिनांक 18.12.2025 को जरिये मोबाईल फोन के विश्वसनीय मुखबीर के सूचना मिला कि उक्त वाहन क्रमांक यूपी 70 एमटी

6909 में क्रूरतापूर्वक मवेशी ठुस ठुस कर भरकर अम्बिकापुर की ओर से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा है कि सूचना पर हमराह आरक्षक 742 विवेक सिंह, आर0 क्र0 1128 अनिल पण्डवार नगर सैनिक 204 रंजित लहरे एवं गवाहों को साथ ग्राम बसंतपुर थाना गेट के सामने एमसीपी लगाकर मुखबीर सूचना तस्दीक हेतु वाहनों की चेकिंग कर रहा था कि दौरान चेकिंग ग्राम वाड्रफनगर की और से मुखबीर के बताये उक्त वाहन क्रमांक युपी 70 एमटी 6909 आता दिखा जिसे रोकने का प्रयास किये जाने पर वाहन को ना रोककर वाहन को तेज गति से चलाकर भाग रहा था जिसे उत्तर प्रदेश के पुलिस के सहयोग से वाहन को रोकने का प्रयास किये जाने पर वाहन चालक के द्वारा वाहन को ग्राम बकरिया थाना बीजपुर के पास छोडकर वाहन चालक फरार हो गया उक्त वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में कुरतापूर्वक ठुस-ठुस कर कुल 18 नग भैसो को भरकर उत्तर प्रदेश की ओर बुचड़ खाना ले जा रहे थे उत्तर प्रदेश पुलिस एवं ग्रामीणों के सहयोग से वाहन को लाकर भैस एवं वाहन की जप्ती तथा उक्त वाहन के चालक के विरुद्ध 00/2025 धारा छ0ग0 पशु परिक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4,6,10,पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11 (1-घ) एवं मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 179 (1) का अपराध घटित करना पाये जाने पर देहाती नालसी एवं नंबरी अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कार्यवाही में शामिल अधिकारी/कर्मचारी का नाम प्रधान आरक्षक 120 पंकज पोर्ते, आरक्षक 742 विवेक सिंह,आरक्षक 1128 अनिल पण्डवार नगर सैनिक 204 रंजित लहरे थाना बीजपुर उत्तर प्रदेश के उप निरीक्षक क्र. 882190312 दुनिया सिंह आर. क्र. 192692205 हरिशचन्द शामिल रहे।

राजपुर में भव्य हिंदू सम्मेलन आयोजन हुआ संपन्न

भव्य हिंदू सम्मेलन आयोजन में सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता का दिया गया संदेश

-संवाददाता-
बलरामपुर/राजपुर, 18 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले के राजपुर नगर में आज हिंदू सम्मेलन का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ।सम्मेलन का आयोजन राजपुर हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदू समाज में सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता एवं धर्म के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना रहा। सम्मेलन में बड़ी संख्या में नगरवासी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सर्वप्रथम श्रीराम भजन के साथ शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों एवं कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं। इसके बाद भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर राष्ट्रभक्ति का भाव प्रकट किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता रामशंकर पैंकरा उपस्थित रहे। अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता मालती देवी ने की। मुख्य वक्ता के रूप में अभय राम कुंभकार प्रांत प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्तीसगढ़, ने हिंदू समाज की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक समरसता एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रेरक उद्बोधन दिया। विशिष्ट रूप से उपस्थित पदाधिकारियों में मनोज गुप्ता जिला संघ चालक, हेमंत नाग सरगुजा विभाग प्रचारक तथा आत्म शरण उपाध्याय बलरामपुर जिला प्रचारक शामिल रहे।

छत्तीसगढ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने राष्ट्रीय लोक अदालत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को किया सम्मानित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 18 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रदर्शन एवं मूल्यांकन पर द्वितीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन 18 दिसम्बर को छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के सहयोग से किया गया, जिसका उद्देश्य राज्य में राष्ट्रीय लोक अदालत प्रणाली को सुदृढ़ बनाने हेतु उपलब्धियों की समीक्षा एवं प्रदर्शन का मूल्यांकन करना था। सम्मेलन की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा द्वारा किया गया। सम्मेलन में श्री न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय,

छत्तीसगढ़ एवं कार्यपालक अध्यक्ष,छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा श्री न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू,न्यायाधीश,उच्च न्यायालय,छत्तीसगढ़ एवं अध्यक्ष,उच्च न्यायालय विधिक सेवा भी उपस्थित रहे। न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालतें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39-क में निहित समान न्याय की परिकल्पना को साकार करने का एक अत्यंत प्रभावी माध्यम बनकर उभरी हैं।

पहाड़ी कोरवा जनजाति के लोग चावल के लिए उचित मूल्य दुकान का लगा रहे चक्कर, लेकिन नहीं मिल रहा चावल

-संवाददाता-
लखनपुर, 18 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
क्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्र लवजी ग्राम पंचायत जहां सरपंच के घर में उचित मूल्य का दुकान का संचालन इन दिनों प्रिया स्वयं सहायता समूह के द्वारा किया जा रहा है जहां अभी तक लोगों को चावल नहीं मिलने के कारण काफी परेशान हैं वहीं इस ग्राम पंचायत में निवासरत पहाड़ी कोरवा जनजाति के लोग भी चावल के लिए दर-दर भटक रहे हैं और चावल मांग कर अपना जीवन यापन करने को मजबूर है जबकि इन सब के लिए उचित मूल्य दुकान से 35 किलो चावल उपलब्ध कराए जाने हेतु राशन कार्ड तक शासन द्वारा बनाई गई है लेकिन सोसायटी संचालक के मनमानी के कारण महीना बीत जा रहे

हैं पर चावल नहीं दिया जा रहा हितग्राहियों के द्वारा बताया गया कि करीब दो महीना हो गया है चावल नहीं मिला है

शक्कर देते हैं आधा किलो पर लेते हैं 20 : हितग्राहियों के द्वारा बताया गया कि पूर्व में कई बार उक्त सोसायटी संचालक के द्वारा उन्हें मात्र एक किलो शक्कर की जगह पर आधा किलो शक्कर दिया जाता है और उनसे 20 की वसूली की जाती है

4 माह तक नहीं मिला नमक और चना : उक्त ग्राम पंचायत के राशन कार्ड धारी के द्वारा बताया गया कि करीब 4 महीना से उन्हें ना तो संचालक के द्वारा चना दिया गया है और ना ही नमक तक दी जाती है पूर्व में भी कलेक्टर के पास शिकायत प्रस्तुत किया गया लेकिन आज तक ना तो जांच हुई ना ही किसी प्रकार की कोई कार्यवाही हुई इसलिए ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि उचित मूल्य दुकान संचालक की मनमर्जी चलती है क्योंकि उनके प्रति कोई कार्यवाही नहीं होने से उनका हौसला बढ़ गया है।

भाजपा कार्यालय घेरने निकली कांग्रेस

मलबे को घेरकर लौटी

कोरिया में विरोध नहीं,संगठनात्मक भटकाव का प्रदर्शन

जिस कार्यालय का घेराव घोषित,वह मिला ही नहीं कांग्रेस को

भाजपा कार्यालय समझकर कांग्रेस ने घेरा...टूटा भवन

प्रशासन असली कार्यालय पर बैरिकेडिंग करता रहा

मलबे पर नारे, सोशल मीडिया पर मज़ाक

मुद्दा मनरेगा का, चर्चा कांग्रेस की चूक की

विरोध की राजनीति में पता ही गुम, कांग्रेस घेर आई मिट्टी-ईंट

-रवि सिंह-

कोरिया,18 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। मनरेगा के नाम पर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने का दावा करने वाली कांग्रेस कोरिया में खुद अपने ही ऐलान का रास्ता भूल बैठी,प्रदेश कांग्रेस के आवाहन पर भाजपा कार्यालय घेराव की घोषणा तो बड़े जोश-खरोश से की गई,लेकिन हकीकत में जो हुआ,उसने कांग्रेस संगठन की तैयारियों की पोल खोल दी,जिस भाजपा कार्यालय के घेराव का ऐलान किया गया था,कांग्रेस कार्यकर्ता वहां पहुंचे ही नहीं,घेराव हुआ टूटे हुए भाजपा कार्यालय के मलबे,ईंटों और मिट्टी का।

बता दे कोरिया की राजनीति में गुरुवार को एक नया अध्याय जुड़ गया घेराव विदाउट ऑफिस,कांग्रेस ने बड़े आत्मविश्वास से ऐलान किया भाजपा कार्यालय का घेराव होगा,प्रशासन ने भी भरोसा किया,बैरिकेड लगाए,पुलिस तैनात की, अफसर धूप में खड़े हो गए,लेकिन कांग्रेस ने

सबको चौंकाते हुए कार्यालय को छोड़ मलबे को चुन लिया,अब सवाल यह नहीं कि मनरेगा से गांधी जी का नाम हटेगा या नहीं,सवाल यह है कि कांग्रेस का गूगल मैप अपडेट है या नहीं? जहां भाजपा का अस्थायी कार्यालय चालू था,वहां पुलिस इंतजार करती रही,और जहां भाजपा का कार्यालय कभी था, वहां कांग्रेस घेराव करती रही, शायद यह नया राजनीतिक प्रयोग था प्रतीकात्मक विरोधः कार्यालय न सही,उसकी यादें तो हैं,ईंटें थीं,मिट्टी थी,मलबा था बस भाजपा नहीं थी, घेराव की परिभाषा भी बदल गई,अब विरोध सत्ता से नहीं,खाली जमीन से होता है,कहा जाता है राजनीति में दूरदर्शिता चाहिए,पर यहां तो दिशा ज्ञान ही लापता निकला,अगर अगली बार कांग्रेस दिल्ली का घेराव घोषित करे,तो कहीं ऐसा न हो कि जंतर-मंतर छोड़कर किसी बंद पड़े स्मारक पर धरना दे बैठे, क्योंकि कोरिया ने यह सिखा दिया है तैयारी नहीं हो, तो विरोध भी मलबा बन जाता है।

घेराव नहीं,राजनीतिक भटकाव

कांग्रेस जिला अध्यक्ष (जिन्हें यथावत जिला अध्यक्ष कहा जाता है) के नेतृत्व में कांग्रेसी राजीव भवन से निकले,सूचना सार्वजनिक थी,समय तय था, स्थान तय था,प्रशासन ने भी उसी सूचना के आधार पर कॉलेज के सामने बैरिकेडिंग कर ली थी,पुलिस बल तैनात था,अधिकारी मुस्तैद थे,लेकिन कांग्रेस का जुलूस उस स्थान पर गया ही नहीं,वह पहुंच गया उस जगह,जहां भाजपा कार्यालय पहले था,अब नहीं है,जहां सिर्फ मलबा पड़ा है,और वहीं खड़े होकर नारे लगाए गए,प्रदर्शन किया गया और घेराव की औपचारिकता निभा दी गई।

प्रशासन तैयार,कांग्रेस भ्रमित

एक तरफ प्रशासन वास्तविक भाजपा कार्यालय के सामने घेराव की आशंका में घंटों इंतजार करता रहा,दूसरी तरफ कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता ऐसी जगह प्रदर्शन करते रहे,जहां न कार्यालय था,न ताला,न झंडा सिर्फ ध्वस्त ढांचा,नतीजा यह हुआ कि प्रशासन की रणनीति बेकार गई, कांग्रेस का विरोध हास्यास्पद बन गया और पूरा जिला एक सवाल पूछने लगा इतनी बड़ी पार्टी को अपने ही जिले में भाजपा कार्यालय का पता तक नहीं?

मुद्दा मनरेगा का था, चर्चा मलबे की हो गई

मनरेगा और महात्मा गांधी का नाम कोई हल्का विषय नहीं है,यह ग्रामीण रोजगार,संविधान और सामाजिक न्याय से जुड़ा सवाल है,लेकिन कोरिया में कांग्रेस इस मुद्दे को उठाने के बजाय अपनी अयोग्यता और अव्यवस्था को केंद्र में ले आई,आज चर्चा यह नहीं है कि मनरेगा पर केंद्र सरकार क्या कर रही है,बल्कि यह है कि कांग्रेस ने कार्यालय नहीं, मलबा घेर लिया।

जब विरोध दिशा खो दे तो राजनीति तमाशा बन जाती है...

घेराव राजनीति का गंभीर औजार होता है यह सत्ता को चुनौती देने का प्रतीक है,संगठन की ताकत दिखाने का माध्यम है, लेकिन कोरिया में कांग्रेस ने साबित कर दिया कि बिना तैयारी का विरोध, विरोध नहीं–मजाक बन जाता है, जिस पार्टी को जिले की राजनीति संभालनी है, जिसे सरकार को घेरने का दावा है,अगर उसे यह भी नहीं पता कि विपक्षी पार्टी का कार्यालय कहां है, तो सवाल उठना स्वाभाविक है क्या संगठन ज़मीन से कट चुका है? क्या फैसले सिर्फ कागज़ों में हो रहे हैं? क्या नेतृत्व सिर्फ घोषणा तक सीमित रह गया है? मलबे का घेराव सिर्फ एक घटना नहीं है, यह कांग्रेस की जमीनी पकड़ के टूटने का प्रतीक है, राजनीति में नारा काफी नहीं होता, पता भी होना चाहिए, वरना विरोध भी उसी मलबे में दब जाता है, जिसे घेरने आप खुद पहुंच जाएं।

जनकल्याणकारी योजनाओं एवं संगठन के विचारों को अंतिम छोर तक पहुंचाएंगेःजिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी

भाजपा मोर्चा के नवनियुक्त पदाधिकारियों से कार्यकर्ताओं में हर्ष

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,18 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न मोर्चों में नवनियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा से जिले के कार्यकर्ताओं में उत्साह और हर्ष का माहौल है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंहदेव एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय की सहमति से युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, अनुसूचित जनजाति मोर्चा एवं अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्षों द्वारा प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा की गई है।

भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि इन नियुक्तियों से संगठन को जिला, मंडल, शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर पर मजबूती मिलेगी, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं और संगठन के विचारों को अंतिम छोर तक पहुंचाना सभी पदाधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी होगी, ताकि योजनाओं का सीधा लाभ आम जनता तक पहुंचे।

युवा मोर्चा

जिलाध्यक्ष - सतेन्द्र राजवाड़े
जिला महामंत्री - मनोज साहू
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य - सुश्री साक्षी सिंह, प्रखर गुप्ता

महिला मोर्चा

जिलाध्यक्ष - रीता यादव
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य - नविता शिवहरे,रमावती राजवाड़े,धर्मवती राजवाड़े
विशेष आमंत्रित सदस्य - वंदना राजवाड़े

पिछड़ा वर्ग मोर्चा

जिलाध्यक्ष - कृष्णा प्रजापति
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य - शैलेष शिवहरे, लक्ष्मण राजवाड़े

अनुसूचित जनजाति मोर्चा

जिलाध्यक्ष - विमलचंद चेरवा
जिला महामंत्री - राय सिंह
अनुसूचित जाति मोर्चा
जिलाध्यक्ष - दिलराज रवि
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य - मनोज सोनवानी, महेंद्र कुर्रे

अल्पसंख्यक मोर्चा

जिलाध्यक्ष - अशरफ खान
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य - अरशद खान, परमजीत कौर

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे पार्टी की नीतियों, विचारधारा और जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे।

हाथी का कहर जारीः कटघोरा वन मंडल में महिला की मौत

-संवाददाता-

कोरबा,18 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। जिले के कटघोरा वन मंडल अंतर्गत ग्राम बिंझरा में हाथी के हमले से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान मीना बाई (36 वर्ष), पति रामकुमार धोबी के रूप में हुई है। घटना बुधवार सुबह की बताई जा रही है,जब महिला रोज़मर्रा के काम से अपने बाड़ी की ओर जा रही थी। इसी दौरान अचानक सामने आए हाथी ने उस पर हमला कर दिया,जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार,क्षेत्र में बीते कुछ दिनों से हाथियों की आवाजाही लगातार बनी हुई है,लेकिन वन विभाग की ओर से कोई ठोस सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए। गौरतलब है कि यह कटघोरा वन मंडल क्षेत्र में हाथी के हमले की लगातार दूसरी घटना है। इससे पहले पाली वन परिक्षेत्र में पिछ्ले चार दिनों से डेरा जमाए एक लोनर हाथी ने मंगलवार रात ग्राम लीमपानी में फुलसुंदरी (50 वर्ष),पति टिकैत राम पर हमला कर उसकी जान ले ली थी। लगातार हो रही इन घटनाओं से क्षेत्रवासियों में भय और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाथी न सिर्फ जानलेवा साबित हो रहे हैं,बल्कि घरों,खेतों और फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। धान,मक्का और सब्जियों की फसलें हाथियों द्वारा रौंदी जा रही हैं,जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि रात के समय हाथियों का गांवों में प्रवेश आम हो गया है,लेकिन वन विभाग की गश्त नाकाफी साबित हो रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को नियमानुसार मुआवजा दिए जाने का आश्वासन दिया है। साथ ही,क्षेत्र में हाथियों की निगरानी बढ़ाने और ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की गई है। कटघोरा और पाली क्षेत्र में लगातार हो रहे मानव-हाथी संघर्ष ने वन विभाग के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। ग्रामीणों की मांग है कि हाथियों को जंगल की ओर सुरक्षित तरीके से खदेड़ने, स्थायी निगरानी दल तैनात करने और प्रभावित गांवों में अलर्ट सिस्टम विकसित किया जाए,ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

Name change

I Rajesh Kumar S/O - Late Tekchand Agrawal Resident of- House no.128,ward- 04,Bhaiyathan Road, Panch mandir, para, Surajpur,chhattisgarh - 497229.
hereby declare that have changed my name from Rajesh Kumar S/O -Late Tekchand Agrawal to Rajesh Kumar grawal s/o- Late Tekchand Agrawal in all the Government approved identity Proofs to be used for various purposes in the future.

Deponent
Name:-Rajesh Kumar Agrawal
S/O -Late Tekchand Agrawal
Resident of-House no. 128,ward-04,Bhaiyathan Road, Panch mandir, para,Surajpur,

न्यायालय नज़ूल अ धिकारी सूरजपुर
जिला-सूरजपुर ,छ0ग0

रा.प्र.क्र. /अ-20(1)/2024-25

ईश्तहार

आगामी तिथि 16/1/2026

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था / विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक रामगोपाल अग्रवाल आ स्व. जगदीष प्रसाद अग्रवाल, जाति अग्रवाल, उम्र लगभग 72 वर्ष, निवासी सूरजपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2138/4, 2139/3 रकबा क्रमषः 160, 1852 वर्गफीट भूमि का लीज अवधी 31.03.2026 को समाप्त होने से लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है ।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति /संस्था/विभाग को कोई दावा/ आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/ लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 16/01/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील
नजूल अधिकारी
सूरजपुर

छात्र राजनीति से जिला नेतृत्व तक...सतेंद्र राजवाड़े का संगठनात्मक सफर

सामान्य किसान परिवार से युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष बनने तक की कहानी

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,18 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता युवा मोर्चा कोरिया जिले के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सतेंद्र राजवाड़े का राजनीतिक सफर संगठनात्मक निष्ठा, निरंतर परिश्रम और जमीनी सक्रियता का उदाहरण है। एक सामान्य किसान परिवार से निकलकर जिला स्तर तक नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालना, उनके समर्पित कार्यकर्ता भाव को दर्शाता है, सतेंद्र राजवाड़े ने अपने छात्र जीवन में ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़कर सामाजिक और राष्ट्रवादी विचारधारा को अपनाया। इसके बाद वर्ष 2011 में भारतीय जनता युवा मोर्चा के माध्यम से उन्होंने सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया।

संगठन में निरंतर बढ़ता कद

वर्ष 2013 में उन्हें युवा मोर्चा बैकुंठपुर मंडल का उपाध्यक्ष बनाया गया। इस दायित्व के दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों और अभियानों में उल्लेखनीय सक्रियता दिखाई,जिससे संगठन में उनकी पहचान मजबूत होती चली गई,उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए वर्ष 2016 में बैकुंठपुर मंडल महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस पद पर वे लगातार चार वर्षों तक रहे और संगठन द्वारा सौंपे गए प्रत्येक दायित्व का ईमानदारी से निर्वहन किया, अपनी सरल, सहज और लो-प्रोफाइल कार्यशैली के कारण ग्रामीण युवाओं के बीच उनकी अच्छी पकड़ बनती गई।

किसान परिवार से राजनीति तक

मूल रूप से किसान परिवार से आने वाले सतेंद्र राजवाड़े के लिए राजनीतिक जीवन आसान नहीं रहा। संगठनात्मक कार्यों के दौरान उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन निष्ठावान कार्यकर्ता भाव और समर्पण ने उन्हें कभी पीछे नहीं हटने दिया, वर्ष 2021 में उन्हें भाजपा कोरिया जिले का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, विपक्ष में रहते हुए भी उन्होंने जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और लगातार सक्रिय भूमिका निभाई।

प्रदेश और चुनावी जिम्मेदारियां

वर्ष 2023 में सतेंद्र राजवाड़े को भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया,विधानसभा चुनाव से पूर्व उन्हें भटगांव विधानसभा का प्रभारी नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने बूथ प्रबंधन और संगठनात्मक समन्वय में प्रभावी कार्य किया, इसके बाद बैकुंठपुर, भरतपुर-सोनहट विधानसभा चुनाव तथा लोकसभा चुनाव में भी उन्होंने संगठन की ओर से सक्रिय भूमिका निभाई।

जिला अध्यक्ष की चुनौती

लगातार संगठनात्मक कार्यों में लगे रहने और अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय संगठन को देने का ही परिणाम है कि आज एक सामान्य किसान परिवार का युवा, भारतीय जनता युवा मोर्चा कोरिया जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त हुआ है, निश्चित रूप से यह जिम्मेदारी चुनौतीपूर्ण है, लेकिन उनकी लो-प्रोफाइल जीवनशैली, मजबूत जनसंपर्क और संगठन को साथ लेकर चलने की रणनीति उन्हें इस भूमिका में भी सफल बना सकती है।

युवाओं में उत्साह

सतेंद्र राजवाड़े की नियुक्ति से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं, विशेषकर युवावर्ग में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है, समर्थकों को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में युवा मोर्चा जिले में और अधिक सक्रिय, संगठित और प्रभावी भूमिका निभाएगा।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै पुराना नाम राजेश कुमार पिता/पति - स्व0 टेकचंद अग्रवाल अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम- राजेश कुमार अग्रवाल पिता/पति - स्व0 टेकचंद अग्रवाल निवासी/पता- मकान नं0 128 वार्ड नं0-04 भैयाथान रोड पंच मंदिर पारा सूरजपुर, 497229 रख लिया हूँ अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम राजेश कुमार अग्रवाल पिता/पति स्व0 टेकचंद अग्रवाल से जाना एवं पहचाना जाय।

शपथकर्ता
राजेश कुमार अग्रवाल
पता-मकान नं.-128 वार्ड नं.4
भैयाथान रोड पंचमंदिर पारा
सूरजपुर-497229

एकलव्य आवासीय विद्यालय जांच दस्तावेज़ों से खुलासा

प्राचार्य-अधीक्षक बदलते रहे,गड़बड़ियाँ स्थायी रहीं

एकलव्य आवासीय विद्यालय में 5 साल का कागजी विकास, ज़मीनी सच्चाई में सुविधाएँ गायब

एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह में 5 वर्षों तक चला अनियमितताओं का खेल

शासकीय कार्यालय में वर्षों तक चला अनियमितताओं का खेल, ऑडिट रिपोर्ट में गंभीर खुलासे

पाँच साल,कई प्रभारी, लेकिन गड़बड़ी एक जैसी...जांच में बड़ा खुलासा

कागजों में खरीदी,मौके पर नदारदःएकलव्य विद्यालय पोड़ीडीह जांच रिपोर्ट

क्रय समिति की बैठक बिना हुए करोड़ों का भुगतान...बच्चों के नाम पर खर्च, बच्चों को नहीं मिली सुविधाएँ

सरकारी कार्यालय में 'नाम-हस्ताक्षर-भुगतान' का त्रिकोण ऑडिट रिपोर्ट के आईने में जिम्मेदार कौन?

-रवि सिंह-

कोरिया,18 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। एकलव्य आदर्श संयुक्त आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह,विकासखंड खडगवां, जिला कोरिया छत्तीसगढ़ में वर्ष 2017-18 से 2021-22 तक शासकीय धन के उपयोग में गंभीर अनियमितताओं का सिलसिला सामने आया है, यह खुलासा किसी आरोप या बयान पर नहीं,बल्कि आधिकारिक जांच प्रतिवेदन,नाम-वार पदस्थापना सूची,बिल-वाउचर,पंजी,भौतिक सत्यापन रिपोर्ट और अधिकारियों के स्वयं के लिखित बयानों के आधार पर हुआ है,जांच से यह स्पष्ट होता है कि पाँच वर्षों में करोड़ों रुपये का व्यय हुआ,लेकिन उसी अनुपात में न तो सामग्री मौके पर मिली,न ही शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया।

बता दे की जिले के एक शासकीय कार्यालय में वर्ष 2018 से 2021 के बीच हुए क्रय एवं व्यय कार्यों में भारी अनियमितताओं का खुलासा हुआ है, आधिकारिक ऑडिट एवं जांच प्रतिवेदन में यह सामने आया है कि लाखों रुपये की शासकीय राशि नियमों की अनदेखी करते हुए खर्च की गई,जबकि कई मामलों में आवश्यक स्वीकृति,समिति निर्णय एवं प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया, वर्ष 2018-2021 के बीच शासकीय कार्यालय में हुए क्रय-व्यय की ऑडिट जांच यह स्पष्ट करती है कि अनियमितताएं प्रणालीगत थीं,न कि आकस्मिक, दस्तावेज़ों में दर्ज हस्ताक्षरकर्ता अधिकारी, क्रय समिति से जुड़े पदाधिकारी और भुगतान आदेश जारी करने वाले जिम्मेदार तीनों स्तरों पर नियमों का उल्लंघन पाया गया,कलेक्टर (आदिवासी विकास) कोरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) खडगवां के आदेश पर विद्यालय में आय-व्यय की जांच,क्रय सामग्री का भौतिक सत्यापन,छात्रावास सुविधाओं की वास्तविक स्थिति की जांच कराई गई, दिनांक 18.11.2021 से 23.11.2021 के बीच गठित जांच दल ने दस्तावेज़ों,पंजीयों और मौके की स्थिति का मिलान किया।

नाम-वार कार्यकाल और जवाबदेही

जांच के साथ संलग्न प्रमाणित सूची के अनुसार

सुश्री बी. बड़ा (मार्च 2017 - 10.12.2019)
प्रभारी प्राचार्य रहते हुए प्रारंभिक वर्षों में बड़ी खरीदी

श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्रा (10.12.2019 - 10.02.2021)
सबसे अधिक व्यय,लेकिन सबसे कम प्रक्रिया पालन

श्री ललित शुक्ला (10.02.2021 - 18.03.2021)
पूर्व अव्यवस्था यथावत मिली

श्री हारिक प्रसाद मिश्रा (18.03.2021 - 12.11.2021)
बिना क्रय समिति बैठक हस्ताक्षर करने की बात स्वयं स्वीकार

श्री भागवत सिंह (12.11.2021 से वर्तमान)
जांच के समय पदस्थ, दस्तावेज़ उपलब्ध कराए

छात्रावास अधीक्षक स्तर पर भी अलग-अलग कार्यकाल में वाहन भत्ता, निजी वाहन उपयोग, सामग्री की जिम्मेदारी को लेकर गंभीर प्रश्न उठे हैं।

मंत्री जी से सीधे सवाल

सवालः क्या आपको इस पूरे मामले की जानकारी है?

सवालः अगर नहीं,तो सवाल यह है कि आपके गृह क्षेत्र में पाँच साल तक चलती रही गड़बड़ियों की जानकारी आपको क्यों नहीं दी गई?

सवालः अगर जानकारी है, तो अब तक संज्ञान क्यों नहीं?

सवालः क्या फाइलें अभी भी 'अध्ययनाधीन' हैं,या निर्णय लेने का साहस नहीं बन पा रहा?

सवालः क्या यह मामला इसलिए संवेदनशील है क्योंकि यह अपने क्षेत्र का है?

सवालः क्या वही प्रशासनिक सख़्ती यहाँ भी लागू होगी, जो अन्य जिलों में दिखाई जाती है?

सवालः क्या आप यह स्पष्ट करेंगे कि जांच में नाम आए अधिकारियों पर कार्रवाई होगी या नहीं? या फिर यह मामला 'पूर्व सरकार' कहकर टाल दिया जाएगा?

सवालः क्या आप आदिवासी बच्चों के पक्ष में खड़े होंगे,या सिस्टम के?

कोर्ट-केंद्रित मांग

1. स्वतंत्र/उच्चस्तरीय जांच (विजिलेंस/ईओडब्ल्यू)
2. नामित अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय
3. अनियमित राशि की वसूली
4. आईपीसी/भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अभियोजन
5. समयबद्ध कार्रवाई की न्यायिक निगरानी

एकलव्य विद्यालय पोड़ीडीह के करोड़ों के भ्रष्टाचार की जांच फाइल आज भी लापता...फाइल किस जिले में है...स्पष्ट नहीं

10 दिन बाद मिली गुम जांच फाइल
कलेक्टर ने डीईओ से मांगी जवाबदेही

बिना समिति अनुमोदन के खरीदी

दस्तावेज़ों के अनुसार कई सामग्री क्रय बिना सक्षम समिति की बैठक एवं अनुमोदन के किए गए। कुछ प्रकरणों में यह भी पाया गया कि क्रय के समय आवश्यक तुलना पत्र (कोटेशन) संलग्न नहीं थे, जिससे खरीदी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

मंत्री जी...यह सिर्फ फाइल नहीं...आदिवासी बच्चों का हक़ है!

एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह का मामला अब किसी दल,किसी अफ़सर या किसी पुराने शासन तक सीमित नहीं रह गया है,अब यह मामला सीधे सरकार और मंत्री की नीयत से जुड़ चुका है,यह विद्यालय मंत्री के गृह ग्राम क्षेत्र में आता है,दस्तावेज़ साफ़ हैं,जांच रिपोर्ट सामने है, नाम-वार जिम्मेदारी तय की जा सकती है, अब सवाल यह नहीं है कि क्या हुआ था अब सवाल यह है कि अब क्या होगा? मंत्री के सामने विकल्प साफ़ हैं- या तो यह मामला उदाहरणात्मक कार्रवाई बने या फिर यह भी साबित हो जाए कि आदिवासी बच्चों का हक़ सत्ता बदलने से भी सुरक्षित नहीं,यह फैसला मंत्री को करना है और यही फैसला इतिहास में दर्ज होगा।

जब ऑडिट बोले और प्रशासन चुप रहे...

छत्तीसगढ़ में अक्सर कहा जाता है भ्रष्टाचार उजागर होना बड़ी बात नहीं, उस पर कार्रवाई होना बड़ी बात है,कोरिया जिले का यह मामला उसी कड़वे सच को उजागर करता है,ऑडिट रिपोर्ट कोई अख़बारी आरोप नहीं होती। यह शासन की अपनी प्रक्रिया से निकला दस्तावेज़ होता है,जो ठोस तथ्यों,बिलों और अभिलेखों पर आधारित होता है,जब ऐसी रिपोर्ट में साफ लिखा हो कि खरीदी नियमों के विरुद्ध हुई,समिति की भूमिका संदिग्ध रही,सरकारी धन का अनुचित उपयोग हुआ, तो सवाल यह नहीं रह जाता कि घोटाला हुआ या नहीं,सवाल यह बन जाता है कि दोषियों को बचाव कौन कर रहा है? यदि एक सामान्य कर्मचारी से गलती हो जाए तो उस पर तत्काल नोटिस,जांच और निलंबन हो जाता है, लेकिन जब मामला लाखों के व्यय,वर्षों की अवधि और दर्जनों बिलों का हो तो वही प्रशासन फाइलें ठंडे बस्ते में डाल देता है,क्या यही सुशासन है? अगर जांच के बाद भी कार्रवाई नहीं,वसूली की कोई पहल नहीं, जिम्मेदारी तय नहीं तो यह सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं, भ्रष्टाचार को मौन स्वीकृति है,जनता के पैसे का सवाल यह पैसा किसी अधिकारी की जेब से नहीं गया, यह पैसा करदाता जनता का था,और जब जनता का पैसा इस तरह उड़ाया जाए,तो चुप रहना भी अपराध की श्रेणी में आता है।

जांच में सामने आए प्रमुख तथ्य... कागज़ों में खरीदी,ज़मीन पर नदारद

जांच के दौरान यह पाया गया कि गद्दे,बेड,अलमारी,रैक,शू-पॉलिश मशीन,डिश वॉशर,फर्नीचर,खेल सामग्री,पानी फिल्टर,बर्तन,यूनिफॉर्म कई मदों में भुगतान तो पूरा किया गया,लेकिन भौतिक सत्यापन में सामग्री या तो आंशिक मिली या पूरी तरह अनुपस्थित पाई गई,क्रय समिति केवल कागज़ों में थी जांच प्रतिवेदन के अनुसार 2019 से 2021 तक एक भी क्रय समिति बैठक का रिकॉर्ड नहीं, समिति के सदस्यों ने अपने बयान में स्वीकार किया कि न तो बैठक हुई,न हमें खरीद प्रक्रिया की जानकारी थी,यह स्थिति शासन के क्रय नियमों का सीधा उल्लंघन है,स्टॉक,मेस और उपस्थिति पंजी अधूरी या गायब,कई वर्षों की स्टॉक पंजी संधारित नहीं, मेस पंजी में नियमित प्रविष्टियाँ नहीं,उपस्थिति पंजी में काट-छांट व बाद में सुधार जांच में यह भी सामने आया कि कुछ पंजी बाद में तैयार किए गए प्रतीत होते हैं,छात्रावास की वास्तविक स्थिति चिंताजनक मिली थी निरीक्षण के समय कमरे गंदे,गद्दे पुराने और कम संख्या में,शौचालयों में सफाई नहीं,बच्चों के लिए खेल,टीवी,मनोरंजन की व्यवस्था नहीं,बच्चों की संख्या के अनुपात में सुविधाएँ अपर्याप्त,जबकि इन्हीं मदों में हर वर्ष लाखों रुपये खर्च दिखाए गए।

सत्ता बदली,सवाल वही...क्या आदिवासी बच्चों को अब न्याय मिलेगा?

एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह का मामला सिर्फ एक शासकीय अनियमितता नहीं है, यह सत्ता, संवेदनहीनता और चयनात्मक नैतिकता का आईना है,पाँच वर्षों तक आदिवासी बच्चों के नाम पर पैसा खर्च होता रहा,सुविधाएँ कागज़ों में बढ़ती रहीं,लेकिन ज़मीन पर बच्चे अभाव में रहे,सबसे बड़ा और असहज सवाल यह है कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में यह जांच क्यों नहीं हो पाई? उस समय दस्तावेज़ मौजूद थे, शिकायतें थीं,हालात बदतर थे फिर भी न तो सरकार जागी,न जनप्रतिनिधि,न वे चेहरे जो आज आदिवासी पीड़ा पर राजनीति कर रहे हैं,जब आदिवासी बच्चों के छात्रावास में गद्दे नहीं थे,साफ़ पानी नहीं था, सुविधाएँ नहीं थीं, तब वे कांग्रेसी नेता कहाँ थे,जो आज आदिवासी दुख के ठेकेदार बने फिर रहे हैं?

अब सवाल बीजेपी सरकार से है...

अब सत्ता बदली है,सरकार भाजपा की है और यह मामला मंत्री के गृह ग्राम क्षेत्र से जुड़ा है, तो सवाल स्वाभाविक है क्या मंत्री को इस मामले की जानकारी है? क्या वे अब तक इससे बेख़बर हैं, या चुप हैं? क्या यह मामला सिर्फ फाइलों में सिमट जाएगा क्योंकि यह ÷अपनों÷ का क्षेत्र है? या फिर यहीं से एक उदाहरणात्मक कार्रवाई होगी? राजनीति में नैतिकता की असली परीक्षा सत्ता में आकर होती है, विपक्ष में रहते हुए नहीं।

राजनीति तब क्यों नहीं हुई,जब हक छीना जा रहा था?

यह मामला दोबारा तब उछाला गया,जब आदिवासी दुख पर राजनीति शुरू हुई, लेकिन यह दुख नया नहीं है,यह दुःख तब का है जब बच्चों के नाम पर खरीदी दिखी, जब सुविधाएँ गायब थीं, जब सिस्टम आँख मूँदे बैठा था,उस समय न धरना था,न प्रेस कॉन्फ्रेंस,न आदिवासी आंसू दिखाई दिए,आज अगर इस मुद्दे पर राजनीति हो रही है,तो यह सवाल भी उतना ही जरूरी है क्या यह चिंता बच्चों के लिए है,या सत्ता-समीकरण के लिए?

सबसे बड़ा सवाल

जब हर वर्ष बजट मिलता रहा,बिल-वाउचर कटते रहे,भुगतान होते रहे तो फिर सामग्री गई कहाँ? बच्चों को सुविधाएँ क्यों नहीं मिलीं? वर्षों तक यह सब चलता कैसे रहा?एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह का यह मामला किसी एक व्यक्ति या एक वर्ष तक सीमित नहीं दिखता, दस्तावेज़ बताते हैं कि यह एक लंबी अवधि की संस्थागत विफलता और संभावित वित्तीय अनियमितताओं का सिलसिला है,जिसकी जिम्मेदारी अलग-अलग कार्यकालों में अलग-अलग अधिकारियों पर बनती है, अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या दोषियों पर विभागीय व कानूनी कार्रवाई होगी? क्या शासकीय धन की वसूली होगी? या यह मामला भी फाइलों में सिमट कर रह जाएगा?

अब न्याय की कसौटी मंत्री के सामने है...

आज सरकार के पास पूरी जांच रिपोर्ट है,नाम-वार कार्यकाल सूची है, दस्तावेज़ हैं,बयान हैं,अब कोई बहाना नहीं बचता,अगर अब भी,जांच ठंडी पड़ती है,कार्रवाई टलती है,जिम्मेदारी तय नहीं होती तो यह मानना पड़ेगा कि आदिवासी बच्चों का हक सत्ता बदलने से भी सुरक्षित नहीं है,क्या मंत्री उस बच्चे को जवाब देंगे,जिसके नाम पर बिस्तर खरीदा गया, लेकिन वह ज़मीन पर सोया? क्या मंत्री उस छात्रावास को देखेंगे, जहाँ कागज़ों में विकास था, लेकिन दीवारों पर बदहाली? या फिर यह मामला भी राजनीतिक शोर में दब जाएगा? अब यह सिर्फ एक जांच नहीं, सरकार की नीयत की परीक्षा है।

अप्सरा दिखती है डायरेक्टर प्रियदर्शन की बेटी...

साउथ में दे चुकी है सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

हेरा फेरी और हंगामा जैसी कई कल्ट क्लासिक कॉमेडी हिंदी फिल्में बनाने वाले निर्देशक प्रियदर्शन को भला कौन नहीं जानता। लेकिन क्या आपको

इस बात की जानकारी है कि प्रियदर्शन एक खूबसूरत बेटी भी है, जो साउथ सिनेमा की लेडी सुपरस्टार मानी जाती है। रियल लाइफ में वह किसी अप्सरा से कम नहीं लगती है और हद से ज्यादा खूबसूरत है। ऐसे में आइए जानते हैं कि डायरेक्टर प्रियदर्शन की बेटी कौन सी अदाकारा है।

प्रियदर्शन की ब्यूटीफुल बेटी कौन

साल 1990 में निर्देशक प्रियदर्शन ने लिजी के साथ शादी रचाई। शादी के तीन साल बाद इनके घर पर एक बेटी का जन्म हुआ, जिसका नाम कल्याणी प्रियदर्शन रखा गया। अब तो आप जान गए होंगे कि यहां बात मलयालम सिनेमा की लेडी सुपरस्टार कल्याणी प्रिदर्शन के बारे में की जा रही है। जी हां कल्याणी ही प्रिदर्शन की लाडली हैं और सिनेमा जगत में उन्होंने अपने पिता का नाम खूब रोशन किया है।

साल 2017 में आई तेलुगु सिनेमा की फिल्म हैलो के जरिए कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने एक्टिंग करियर का आगाज किया और देखते ही देखते वह साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अदाकारा बन गईं।

32 वर्षीय कल्याणी रियल लाइफ में कितनी ज्यादा ब्यूटीफुल और हॉट हैं। उनकी बेबाक खूबसूरती को देखकर हर कोई उनका दीवाना बन सकता है। इतना ही नहीं अभिनेत्री कामुक अदाएं फैंस के दिलों पर बिजलियां गिराने का काम करती हैं। ये फोटोज देखकर आप भी कल्याणी प्रियदर्शन के फैन हो जाएंगे। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर भी उनकी हॉट फोटोज आग की तरह वायरल होती रहता हैं।

कल्याणी ने दी सबसे बड़ी मलयालम हिट

इस साल कल्याणी प्रियदर्शन की सुपरहीरो फिल्म लोका चैप्टर वन-चंद्रा को रिलीज किया गया, जिसमें वह लीड रोल में मौजूद रहीं। लोका कमर्शियल तौर पर सफल रही और बॉक्स ऑफिस पर बंपर कलेक्शन करके दिखाया। आलम ये रहा कि ये मूवी 2025 की मलयालम सिनेमा की तरफ से हाईएस्ट ग्रॉसर मूवी बनी। वर्ल्डवाइड इसने 300 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर इतिहास रचा है। बता दें कि आने वाले समय में कल्याणी प्रियदर्शन लोका चैप्टर 2 में अहम किरदार निभाती हुई दिखाई देंगी।

मोहनलाल ने ठुकराई,नागार्जुन के हाथ आते ही बनी थी ब्लॉकबस्टर,100 दिनों तक थिएटर्स में चली थी फिल्म

मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल को 33 साल पहले एक बड़ी फिल्म का ऑफर मिला था,जिसे उन्होंने ठुकराया दिया था। बाद में वह मूवी जाकर तेलुगु सुपरस्टार नागार्जुन अक्कीनेनी को मिली और 100 दिनों तक सिनेमाघरों में चली। बॉलीवुड कलाकारों के जरिए बड़ी फिल्मों के ऑफर को ठुकराए जाने के मामले आपने कई बार पढ़े और सुने हैं। इस तर्ज पर आज हम आपको साउथ सिनेमा की तरफ लेकर चलते हैं,यहां भाषा के आधार पर कई फिल्म इंडस्ट्री बनी हुई हैं और उनके अलग-अलग सुपरस्टार हैं। मलायलम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता के तौर पर मोहनलाल को जाना जाता है और तेलुगु सिनेमा का सुपस्टार नागार्जुन अक्कीनेनी को कहा जाता है।

लेकिन क्या आप जानते हैं 90 के दशक की एक बड़ी फिल्म मोहनलाल को ऑफर हुई थी, लेकिन उन्होंने उसे ठुकराया दिया था। बाद में ये मूवी नागार्जुन को मिली और ब्लॉकबस्टर बनी। आइए जानते हैं कि वह कौन सी फिल्म थी।

मोहनलाल ने ठुकराई थी ये फिल्म

90 के दशक में मोहनलाल का दबदबा मलयालम सिनेमा में पूर्ण रूप स्थापित हो चुका था। उस समय वह पारिवारिक फिल्मों के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहे थे। इस दौरान उनको एक एक्शन क्राइम थ्रिलर मूवी किलर का ऑफर मिला, जिसके निर्देशक और लेखक साउथ सिनेमा के दिग्गज फिल्ममेकर फाजिल थे।

मोहनलाल ने इस फिल्म को करने से इनकार कर दिया था, क्योंकि वह किलर जैसी एक्शन थ्रिलर के जरिए अपनी छवि के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहते थे। बाद में फाजिल साहब किलर को तेलुगु सिनेमा की डगर चल दिए और उन्होंने किलर की कहानी नागार्जुन को सुनाई, जो उस दौर में तेलुगु और हिंदी फिल्मों में अपना दखदख दिखा चुके थे। नागार्जुन को स्क्रिप्ट पसंद आई और थोड़े बहुत बदलाव के साथ वह किलर को करने में राजी हो गए। नागार्जुन के अलावा अभिनेत्री नगमा भी फाजिल की इस मूवी का हिस्सा बनीं। आलम ये रहा है कि नागार्जुन की किलर बॉक्स ऑफिस पर सफल रही।

कमर्शियल तौर पर ये मूवी 1992 में आई तेलुगु सिनेमा की सबसे अधिक कमाई करने वाली टॉप फिल्मों की लिस्ट में शुमार हुई। इस तरह से जिस मूवी मोहनलाल ने मना किया था, उसके जरिए नागार्जुन ने इतिहास रच दिया था।

100 दिनों तक चली थी सिनेमाघरों में चली थी किलर

किलर की सफलता का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि उस वक्त ये नागार्जुन की ये मूवी लगातार 100 दिनों तक सिनेमाघरों में सक्सेसफुल तरीके से चली थी। मूवी में नागार्जुन का मास एक्शन अवतार हर किसी को पसंद आया था।

प्रभास की हीरोइन पर गिद्धों की तरह टूटा पुरुषों का झुंड

2017 में फिल्म मुन्ना माइकल से अपने बॉलीवुड करियर की शुरूआत करने वाली एक्ट्रेस निधि अग्रवाल साउथ का जाना माना नाम हैं। हाल ही में निधि अग्रवाल फिल्म द राजा साहब के एक इवेंट के लिए हैदराबाद गईं थीं। यहां फैंस ने उनके साथ वो किया, जिसका वीडियो देखने के बाद आप शर्मसार हो जाएंगे। सितारों को लेकर फैंस के बीच क्रेज कोई नई बात नहीं है। अबतक कई स्टार्स को आपने देखा होगा, जो अक्सर अपने फैंस के चलते बदसलूकी और बुरे व्यवहार का शिकार हो जाते हैं। हालांकि अक्सर फैंस के बीच फंसना स्टार्स के लिए भी मुसीबत बन जाता है और अब यही हुआ है द राजा साहब की एक्ट्रेस के साथ।

भीड़ ने की निधि अग्रवाल संग बदसलूकी

हुआ ये कि निधि अग्रवाल जल्द ही फिल्म द राजा साहब में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में निधि अग्रवाल प्रभास के साथ दिखने वाली हैं। फिल्म के प्रमोशन्स में निधि इन दिनों लगी हुई हैं। हाल ही में हैदराबाद में फिल्म के एक गाने की लॉन्चिंग के लिए निधि पहुंची थीं। गाना लॉन्च इवेंट के लिए निधि यहां आईं तो फैंस ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। लेकिन जैसे ही वो इवेंट से बाहर निकलकर आ रही थीं, इसी बीच उन्हें भीड़ ने घेर लिया। वीडियो में भीड़ देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि हीरोइन के ऊपर किस कदर ये फैंस के रूप में लोगों की बदसलूकी है। निधि अपनी ड्रेस से खुद को बचाती नजर आईं। इस भीड़ ने उन्हें गलत तरीके से छूने की कोशिश भी की। जैसे-तैसे करके निधि अपनी कार तक पहुंचीं और खुद को कार में लॉक किया और तब जाकर उनके सांस में सांस आई। वीडियो के आखिर में डरी-सहमी निधि कहती हुई दिख रही हैं कि, आखिर ये सब था क्या।

सोशल मीडिया पर फूटा लोगों का गुस्सा

निधि जब कार की तरफ जा रही थीं तो लोगों ने उनके साथ जो व्यवहार किया बेहद खराब था। इस वीडियो के आने के बाद सोशल मीडिया पर खलबली मच गई है। एक-एक करके लोग अब इस पर भड़ास निकाल रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि, जानवरों का बर्ताव भी इससे अच्छा होता है।

दामिनी अब हो गई हैं ग्लैमरस डीवा

नया अवतार देख सनी देओल की भी फटी रह जाएंगी आंखे

सनी देओल की जोरदार फिल्म दामिनी आखिर किसे याद नहीं होगी? सनी देओल का डायलॉग तारीख पर तारीख और सूती साड़ी पहने कटघरे में खड़ी मासूम एक्ट्रेस को कोई कैसे भूल सकता है। फिल्म में दामिनी का रोल निभाने वाली बेहद खूबसूरत एक्ट्रेस, जिसकी सादगी ने लोगों का दिल जीत लिया था,ये कोई और नहीं बल्की मीनाक्षी शेषाद्री थी। मीनाक्षी की सिर्फ खूबसूरती की चर्चा नहीं थी,बल्कि उनकी कमाल की एक्टिंग भी लोगों को काफी पसंद आई थी,लेकिन फिर एक दिन अचानक ही मीनाक्षी सब छोड़कर चली गई। फिल्मी सफलता को उन्होंने एक झटके में त्याग दिया और घर बसाकर विदेश में जा बची। बीते कई सालों से वो बॉलीवुड से गायब हैं। उनका पूरा लुक भी अब बदल चुका है।

मीनाक्षी ने दिखाया नया अवतार

मीनाक्षी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और हाल ही में उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उनका बदला-बदला अंदाज नजर आ रहा है। मीनाक्षी शेषाद्री को इस वीडियो में देखने के बाद आप यही कहेंगे कि ये तो हरगिज दामिनी वाली मीनाक्षी नहीं हैं। मीनाक्षी इस वीडियो में टॉप और हॉट पैंट पहने बीच पर घूमती नजर आ रही हैं। उनकी इस रील में उनका मॉर्डन अवतार देखने को मिल रहा है, जो अक्सर कम ही देखने को मिलता है। इस वीडियो को देखने के बाद लोगों के रिएक्शन भी सामने आ रहे हैं। एक शख्स ने इस वीडियो को देखने के बाद लिखा, ये कितना बदल गई हैं, लेकिन इनकी सुंदरता अब भी पहले जैसी ही है। एक और शख्स ने लिखा, इन्हें तो सनी देओल भी नहीं पहचान पाएंगे। वहीं एक यूजर ने लिखा, आखिर सनी देओल की फिल्म वाली हीरोइन है न, ये तो पहचान में नहीं आ रही हैं।

खेल समाचार

आईपीएल ऑक्शन में केकेआर को मिला एक और मिस्ट्री स्पिनर...

वरुण चक्रवर्ती जैसा ही एक्शन और बॉलिंग,अगले सीजन मचाएगा बवाल

नई दिल्ली,18 दिसम्बर 2025। केकेआर की टीम ने आईपीएल 2026 ऑक्शन में एक और मिस्ट्री स्पिनर को शामिल किया है। ये खिलाड़ी एकदम वरुण चक्रवर्ती की तरह गेंदबाजी करता है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आईपीएल मिनी-ऑक्शन में 22 वर्षीय रहस्यमयी स्पिनर दक्ष कामरा को 30 लाख रुपये में खरीदा है। कामरा का गेंदबाजी एक्शन केकेआर के स्टार गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती से काफी मिलता-जुलता है,जिन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाज माना जाता है। कामरा, जो एक ऑलराउंडर भी हैं अपनी मिस्ट्री स्पिन के साथ-साथ अच्छी बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने हरियाणा की अंडर-23 टीम के लिए खेलते हुए प्रभावित किया है और अब केकेआर के लिए खेलने को लेकर उत्साहित हैं।

केकेआर में एक और मिस्ट्री स्पिनर

22 वर्षीय कामरा अपनी रहस्यमयी स्पिन गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, जिसका एक्शन केकेआर के ही वरुण चक्रवर्ती से काफी मिलता-जुलता है। वरुण चक्रवर्ती, जिन्होंने आईपीएल में 84 मैचों में 100

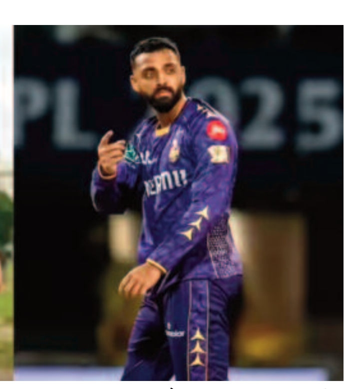

विकेट लिए हैं,अपनी विविधताओं और अनोखे गेंदबाजी एक्शन से बल्लेबाजों को चकित कर देते हैं। कामरा भी उसी तरह की गेंदबाजी करते हैं और उन्हें वरुण का छोटा भाई भी कहा जा रहा है। कामरा के कोच संदीप खरब ने बताया कि दक्ष उसी तरह के जोन में गेंदबाजी करते हैं और उनका पैटर्न भी वरुण जैसा ही है।

ऑलराउंडर हैं दक्ष कामरा

कामरा सिर्फ एक गेंदबाज ही नहीं, बल्कि एक उपयोगी ऑलराउंडर भी हैं। वह अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं और बड़े शॉट लगाने में माहिर हैं। उनकी इस दोहरी क्षमता के कारण वह केकेआर के लिए काफी मूल्यवान साबित हो सकते हैं। कामरा का क्रिकेट से जुड़ाव 11 साल पहले एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर शुरू हुआ था। उनके पास 4 तरह की गेंदें हैं, जिनमें कैरम बॉल, गूगली और स्लाइडर शामिल हैं। टेनिस बॉल क्रिकेट खेलने से उन्हें अपनी गेंदबाजी पर बेहतर नियंत्रण मिला क्योंकि इसमें प्रयोग करने का ज्यादा मौका मिलता है। कोच खरब के साथ मिलकर कामरा ने अपनी गेंदबाजी में गति और प्रभावशीलता लाने के लिए एक व्यवस्थित रूटीन पर भी काम किया।

गेंदबाजी में काफी सारे वेरिएशन

कामरा के कोच संदीप खरब ने उनकी गेंदबाजी की बारीकियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि दक्ष की गेंदबाजी में कई तकनीकी पहलुओं पर काम किया गया है और लगातार निगरानी रखी गई। कामरा का एक ही लक्ष्य है - हर गेंद को सटीक जगह पर डालना। खरब ने बताया कि उनकी गूगली इतनी तेज होती है कि वह अक्सर बल्लेबाज के पैड या स्टंप्स पर लगती है। एक औसत गूगली की गति 95-97 किमी/घंटा होती है।

कामरा ने अपनी बल्लेबाजी को भी निखारा है। उन्होंने पावर-हिटिंग पर काफी मेहनत की है। उनके बल्ले से छक्के आसानी से निकलते हैं, जिसका एक बड़ा कारण उनके हाथों की तेज गति है। 22 वर्षीय यह खिलाड़ी अपनी फिटनेस पर भी बहुत ध्यान देते हैं और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग पर कड़ी मेहनत करते हैं।

अंडर-23 में किया था डेब्यू

दक्ष कामरा ने पिछले सीजन में हरियाणा की अंडर-23 टीम के लिए अपना डेब्यू किया था। उन्होंने एक लिमिटेड-ओवर मैच में चार विकेट लिए थे। इसके अलावा, उन्होंने सीके नायडू ट्रॉफी के एक मैच में पांच विकेट झटके थे। इस सीजन में उन्होंने अंडर-23 के चार मैचों में 7 विकेट लिए हैं। एक समय ऐसा भी आया था जब उन्हें राज्य की टीम से ड्रॉप कर दिया गया था। उस समय उनके कोच संदीप खरब ने हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन के एक अधिकारी को उनके टैलेंट के बारे में समझाकर उन्हें एक और मौका दिलवाया। इसी मौके का फायदा उठाकर कामरा केकेआर की नजरों में आए।

केतन मलिक ने मनु भाकर को पछाड़ जीता गोल्ड

पंजाब,18 दिसम्बर 2025। हरियाणा की केतन मलिक ने गुरुवार को नई दिल्ली के डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिताओं में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पेरिस ओलंपिक की डबल मेडलिस्ट मनु भाकर और एशियाई खेलों की चैंपियन पलक गुलिया सहित कई प्रतिस्पर्धी खिलाड़ियों को हराकर जीत हासिल की। केतन ने 240.0 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता, उन्होंने दिल्ली की मीनू पाठक को पीछे छोड़ा,जिन्होंने 238.4 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता,और सुरभि राव ने 219.5 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। जूनियर महिला वर्ग में, उत्तर प्रदेश की वंशिका चौधरी विजयी रहीं, उन्होंने अंजली शेखावत को 0.2 अंकों के मामूली अंतर से हराकर गोल्ड मेडल जीता,जबकि पलक गुलिया ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। आर्मी मार्कसमैनशिप यूनिट की लक्षिता बिश्नोई ने रश्मिका सहगल पर 0.6 अंकों के मामूली अंतर से युवा खिताब जीता,और संस्कृति बाना ने पोडियम पूरा किया।

फाइनल से पहले एक लंबा क्वालिफिकेशन राउंड हुआ जिसमें 39 रिले में 900 से ज़्यादा निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। पलक गुलिया ने 582-24× के साथ क्वालिफिकेशन में टॉप किया, उनके ठीक पीछे मनु भाकर थीं, जिन्होंने 582 का स्कोर किया लेकिन इनर-10 काउंट में 19× के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। केतन ने 581-16× के साथ तीसरे स्थान पर क्वालिफाई किया, जबकि मोहिनी सिंह (580-19×), अंजली शेखावत (579-22×), सुरभि राव (579-22×), अंजली चौधरी (579-19×), और मीनू पाठक (579-14×) ने फाइनलिस्ट की सूची पूरी की।

फाइनल में, मनु भाकर 137.2 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहीं, अंजली चौधरी 110.1 के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर रहीं, मोहिनी सिंह 197.9 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं, और अंजली शेखावत 157.5 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहीं। जूनियर फाइनल में, वंशिका चौधरी ने 240.5 का स्कोर करके गोल्ड मेडल जीता। अंजली शेखावत ने 0.2 अंकों के मामूली अंतर से सिल्वर मेडल जीता,जबकि पलक गुलिया ने 218.0 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। पायल खत्री 195.8 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं, उनके बाद लक्षिता बिश्नोई (177.7) रहीं। केतन मलिक 156.1 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे, जबकि मोहिनी सिंह (131.8) और रश्मिका सहगल (117.2) ने फाइनल लाइनअप पूरा किया।

श्रुति वोरा की ड्रेसेज परफॉर्मेंस से टीम इंडिया को 3 सिल्वर मेडल

मुंबई,18 दिसम्बर 2025। टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करते हुए श्रुति वोरा ने पटाया, थाईलैंड में एशियन कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन किया, और घोड़े नंबर 209, मैग्नेनिमस पर सवार होकर घुड़सवारी ड्रेसेज में तीन सिल्वर मेडल जीते। पटाया, थाईलैंड में आयोजित इस इवेंट में ड्रेसेज फ्रीस्टाइल टू म्यूजिक इंडिविजुअल चैंपियनशिप में, श्रुति वोरा ने एक मजबूत और शांत प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया, और मैग्नेनिमस पर सवार होकर 73.800त्न का प्रभावशाली स्कोर दर्ज किया। इस इवेंट में चीन की सारा आर. ने जेनियाल पर सवार होकर 79.180 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि थाईलैंड की पाकजिरा थोंगपाकडी ने समीरा ओ पर सवार होकर 72.505त्न के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता टीम ड्रेसेज चैंपियनशिप में, भारत ने कोच सुधीर सिंह अहलावत के मार्गदर्शन में लगातार और दृढ़ प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता, और कुल 204.059 का स्कोर हासिल किया। भारतीय टीम में भारत के गौरव पुंडीर इलेक्टर (66.059त्न), भारत की दिव्याकृति सिंह इम्प्रूव (67.118त्न), और भारत की श्रुति वोरा मैग्नेनिमस (70.882 प्रतिशत) पर शामिल थीं। टीम थाईलैंड ने कुल 205.853 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि टीम हांगकांग ने 203.235 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। अपने मेडल टैली में इजाफा करते हुए, भारत की श्रुति वोरा ने इंटरमीडिएट ड्रेसेज इंडिविजुअल इवेंट में भी सिल्वर मेडल जीता, जिसमें उन्होंने असाधारण निरंतरता और मैग्नेनिमस के साथ मजबूत साझेदारी दिखाते हुए 70.882 प्रतिशत का स्कोर किया। इस इवेंट में गोल्ड मेडल चीन की सारा राव ने जेनियाल पर सवार होकर 71.382 प्रतिशत के स्कोर के साथ जीता।

हरियाणा को हराकर झारखंड पहली बार चैंपियन बनी

पुणे,18 दिसम्बर 2025। ईशान किशन की कप्तानी वाली झारखंड ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 का खिताब जीत लिया है। फाइनल में झारखंड ने हरियाणा को 69 रन से हराया। जीत के हीरो कप्तान ईशान किशन रहे, जिन्होंने 101 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। ईशान फाइनल में शतक बनाने वाले पहले कप्तान भी बने। पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए मैच में हरियाणा ने टॉस जीतकर झारखंड को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया था। झारखंड के लिए पारी की शुरुआत करने उतरे कप्तान ईशान किशन ने मात्र 45 गेंदों पर शतक लगाया। किशन ने 49 गेंदों पर 101 रन की पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 10 छक्के और 6 चौके लगाए। किशन के अलावा कुमार कुशाग्र ने भी 38 गेंद पर 5 छक्के और 8 चौके लगाते हुए 81 रन की पारी खेली। किशन और कुशाग्र ने दूसरे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी की। अनुकूल रॉय 20 गेंद पर 40 और रॉबिन मिंज 14 गेंद पर 31 रन बनाकर नाबाद रहे। झारखंड ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 262 रन बनाए थे। 263 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने 1 के स्कोर पर अपने 2 विकेट खो दिए। खराब शुरुआत के बाद हरियाणा कभी उबर नहीं सकी और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती गई। टीम 18.3 ओवर में 193 रन पर सिमट गई और 69 रन से ये खिताबी मुकाबला हार गई। हरियाणा के लिए विकेटकीपर यशवर्धन दलाल ने 22 गेंद पर 5 छक्के और 2 चौकों की बदौलत 53 रन की विस्फोटक पारी खेली।

परम् पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती पर मानव सेवा का महाअभियान

'मनखे-मनखे एक समान' की भावना को साकार करता मेगा हेल्थ कैम्प : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,18 दिसम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने परम् पूज्य बाबा गुरु घासीदास की जयंती के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर में मानव सेवा,सामाजिक समरसता और स्वास्थ्य जागरूकता के लिए आयुर्वेदिक कॉलेज परिसर में 18 से 22 दिसंबर तक आयोजित 5 दिवसीय निःशुल्क मेगा हेल्थ कैम्प 2025 का भव्य शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए अमन, चैन और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि यह 5 दिवसीय निःशुल्क मेगा हेल्थ कैम्प हजारों लोगों के लिए स्वास्थ्य संजीवनी सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपने गठन के रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इन 25 वर्षों में स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित आयुष्मान भारत योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ सुनिश्चित कर रही है। वहीं राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु 25 लाख तक की सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि 'हेल्थ इज वेल्थ' केवल एक नारा नहीं,बल्कि जीवन को बचाने और संवारने का संकल्प है। मुख्यमंत्री ने विधायक राजेश मूणत एवं उनकी पूरी टीम को इस विशाल आयोजन के लिए बधाई दी और कैम्प परिसर में विभिन्न जांच स्टालों का अवलोकन भी किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि यह आयोजन मात्र एक स्वास्थ्य शिविर नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय करुणा की सशक्त अभिव्यक्ति है। बाबा गुरु घासीदास जी के 'सत्य, अहिंसा और समानता' के संदेश से प्रेरित यह महाअभियान समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचाने का अनुकरणीय प्रयास है। उन्होंने बताया कि 100 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सकों की सहभागिता से यह कैम्प केवल प्राथमिक जांच तक सीमित नहीं, बल्कि अंतिम निदान एवं उपचार तक का समग्र समाधान प्रदान कर रहा है। डॉ. सिंह ने आयोजन की सुव्यवस्थित व्यवस्था और व्यापक प्रभाव की सराहना की।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती पर आयोजित यह स्वास्थ्य महाकुम्भ समाज के हर वर्ग के लिए अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग इस कैम्प में स्वास्थ्य लाभ लेने पहुँचे हैं। जिन रोगियों का उपचार कैम्प में संभव नहीं होगा,उन्हें आयुष्मान कार्ड के माध्यम से संबद्ध संस्थानों में निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के निरंतर विस्तार की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के आयोजक एवं विधायक राजेश मूणत ने बताया कि बाबा गुरु घासीदास जी के अमर संदेश 'मनखे-मनखे एक समान' से प्रेरित होकर इस मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया है।

एक ही जगह जांच से इलाज तक का लाभ मिलेगा...

हेल्थ कैंप के आयोजक राजेश मुणत (विधायक, पश्चिम) ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मरीजों को एक ही छत के नीचे जांच से लेकर इलाज तक की सुविधा प्रदान करना है। सामान्यत: मरीजों को हर छोटी-छोटी चीज के लिए अलग-अलग जगह भटकना पड़ता है। लेकिन कैंप में सिलसिलेवार तरीके से मरीजों की जांच से लेक इलाज तक प्रबंध किया गया है। लगभग 8 से 10 हजार मरीजों के रोज चेकअप का इंतजाम किया है। देश के श्रेष्ठ डॉक्टरों और प्रदेश के नामचीन अस्पतालों के डॉक्टर कैंप में अपनी सर्विस देंगे। बढ़ते ब्रेस्ट कैंसर को देखते हुए इस बार दिल्ली से विशेष मशीन और टीम बुलाई गई। किसी महिला को समस्या होने तत्काल इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। आयुर्वेदिक कॉलेज में आयोजित मेगा हेल्थ कैंप का उद्घाटन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया।

सुकमा एनकाउंटर में एक महिला समेत 3 नक्सली ढेर

तीनों के शव बरामद,12 लाख के इनामी थे...

सुकमा,18 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। थाना गोलापल्ली क्षेत्र के गोंदीगुड़ा के जंगल-पहाड़ी इलाके में हुई मुठभेड़ में महिला माओवादी समेत 3 नक्सली मारे गए हैं। मारे गए सभी नक्सली इनामी थे, जिन पर कुल 12 लाख रुपए का इनाम घोषित था। एसपी सुकमा किरण चव्हाण ने बताया कि नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इस आधार पर डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड की टीम ने गोंदीगुड़ा के जंगल क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। 18 दिसंबर 2025 की सुबह सर्चिंग के दौरान डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई। मुठभेड़ के बाद जब सुरक्षाबलों ने इलाके की तलाशी ली तो एक महिला और दो पुरुष माओवादियों के शव बरामद किए गए। मौके से भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सामग्री और नक्सली सामान भी जब्त किया गया। आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि बस्तर रेंज में इस साल कुल 255 नक्सली मारे जा चुके हैं। तीनों माओवादी कोंटा-किस्टाराम एरिया में एक्टिव थे और कई गंभीर नक्सली घटनाओं में शामिल रहे थे।

हथियार और विस्फोटक बरामद

मुठभेड़ स्थल से 9 एमएम सर्विस पिस्टल, 12 बोर भरमार बंदूक, बीजीएल सेल, टिफिन बम सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और नक्सली दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

आईजी बोले- माओवाद अंतिम दौर में

बस्तर रेंज के आईजी सुन्दरराज पी ने कहा कि, वर्ष 2025 में सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई में अब तक केंद्रीय समिति, डीकेएसजेडसी और पीएलजीए कैडर समेत कुल 255 नक्सली मारे जा चुके हैं। आईजी ने कहा कि 'बस्तर में माओवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। संगठन की संरचना टूट चुकी है। सक्रिय माओवादियों से अपील है कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं।

दीपक टंडन के खिलाफ एक और शिकायत दर्ज, 27.90 लाख की ठगी में हुआ फरार

कोरबा,18 दिसम्बर 2025। जिले में 27 लाख 90 हजार रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। गेवरा प्रोजेक्ट ऊर्जानगर निवासी महेन्द्र सिंह ने पुलिस अधीक्षक,कोरबा जिला को लिखित आवेदन देकर दीपक उर्फ अंबेडकर टंडन की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। आवेदन में महेन्द्र सिंह ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2020 में थाना दीपका थाना में दीपक उर्फ अंबेडकर टंडन के विरुद्ध 27,90,000 रुपये की धोखाधड़ी को लेकर एफआईआर दर्ज कराई थी। यह मामला एफआईआर क्रमांक 160/2020, धारा 420 आईपीसी के तहत पंजीबद्ध किया गया था। पुलिस जांच के बाद वर्ष 2024 में थाना दीपका द्वारा अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, कटघोरा के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां यह प्रकरण क्रमांक 48/24 के रूप में विचाराधीन है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मामले में आरोपी दीपक उर्फ अंबेडकर टंडन लगातार न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा है। उसकी अनुपस्थिति के चलते न्यायालय द्वारा कई बार गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए गए, लेकिन इसके बावजूद आज दिनांक 18 दिसंबर 2025 तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की गई। महेन्द्र सिंह का कहना है कि यह स्थिति थाना दीपका की लापरवाही या आरोपी से कथित साठ-गांठ की ओर इशारा करती है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी दीपक टंडन द्वारा रायपुर, सक्ती, कोरबा सहित अन्य जिलों में भी इसी तरह की धोखाधड़ी की घटनाएं की गई हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी लगातार लोगों को अपने जाल में फंसा रहा है और उसकी गिरफ्तारी न होने से ऐसे मामलों को बढ़ावा मिल रहा है।

बीएसएफ जवान ने किया सुसाइड सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली

रायपुर,18 दिसम्बर 2025। नारायणपुर जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। नक्सल मोर्चे पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान ने आत्महत्या कर ली। सूत्रों के अनुसार जवान ने अपने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारी है। यह घटना सोनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत होरादी स्थित बीएसएफ कैंप की बताई जा रही है। नारायणपुर पुलिस अधीक्षक रॉबिंसन गुड़िया ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जवान द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पूरे मामले की जांच की जा रही है और सभी संभावित पहलुओं पर पड़ताल की जा रही है। मृतक जवान की पहचान सचिन कुमार के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी था। वह नारायणपुर जिले में नक्सल मोर्चे पर ड्यूटी के तहत होरादी बीएसएफ कैंप में तैनात था। जवान ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसे लेकर अभी तक कोई ठोस कारण सामने नहीं आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए मर्ग कायम किया गया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस बीएसएफ के साथी जवानों से भी पूछताछ कर रही है।

उपभोक्ता फोरम का अहम फैसला...हादसे में एयरबैग नहीं खुले,टोयोटा को 61 लाख रुपए से ज्यादा चुकाने होंगे

रायपुर,18 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग ने एक अहम फैसले में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर कंपनी को इनोवा कार मालिक को 61 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। आयोग ने माना कि गंभीर सड़क हादसे के दौरान कार के एयरबैग का न खुलना स्पष्ट रूप से विनिर्माण दोष और सेवा में कमी है। मामला 23 अप्रैल 2023 का है। कोरबा के व्यापारी अमित अग्रवाल अपने भाई सुमित अग्रवाल की इनोवा कार से रायपुर से कोरबा लौट रहे थे। तरदा गांव के पास सामने से आ रहे वाहन से बचने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर पलट गई और पेड़ से जा टकराई। हादसा बेहद गंभीर था, लेकिन कार का एक भी एयरबैग नहीं खुला।

शराब घोटाला...चैतन्य बघेल की याचिका पर सुनवाई जनवरी तक टली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- केस की सुनवाई टुकड़ों में नहीं की जा सकती

रायपुर,18 दिसम्बर 2025। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की कथित शराब घोटाले में गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। कोर्ट ने कहा कि मामले की सुनवाई 'टुकड़ों में' नहीं की जा सकती। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि वह अगले साल जनवरी के पहले सप्ताह में मामले की सुनवाई करेगी। चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय ने 18 जुलाई 2025 को कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को सही ठहराने वाले छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 17 अक्टूबर के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इसके अलावा उन्होंने धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 50 समेत कानून के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को भी चुनौती दी है।

कपिल सिब्बल का आरोप: जांच एजेंसियों की मनमानी गिरफ्तारी : सुनवाई के दौरान चैतन्य बघेल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कोर्ट में कहा कि जांच एजेंसियां मनमाने ढंग से गिरफ्तारी कर रही हैं और जांच लगातार जारी रखती हैं। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को रिहा किए जाने के बाद दूसरा वारंट जारी कर दिया जाता है और अब 'ओपन-एंडेड' वारंट का चलन हो गया है। उन्होंने मांग की कि किसी भी तरह के दंडात्मक कदम न उठाए जाएं।

हाईकोर्ट में जमानत पर सुनवाई पूरी,फैसला सुरक्षित

वहीं, ईडी की ओर से पेश अधिवक्ता जोहेब हुसैन ने कोर्ट को बताया कि चैतन्य बघेल की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हो चुकी है और फैसला सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने कहा कि जब आरोपी न्यायिक हिरासत में है, तो दंडात्मक कार्रवाई का सवाल ही नहीं उठता और वह एक अन्य मामले में अग्रिम जमानत की मांग कर रहा है। पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि मामले की समग्र सुनवाई आवश्यक है और इसे चरणबद्ध तरीके से नहीं सुना जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले हाईकोर्ट जाने को कहा

बता दें है कि सीबीआई और ईडी सहित केंद्रीय जांच एजेंसियां महादेव सट्टेबाजी ऐप,चावल मिलों से जुड़े मामलों तथा कथित कोयला,शराब और डीएमएफ घोटालों की जांच कर रही हैं,जो कथित तौर पर भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान हुए थे। इससे पहले 4 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मामलों में राहत के लिए सीधे शीर्ष अदालत का रुख करने की प्रवृत्ति पर नाराजगी जताई थी और भूपेश बघेल और उनके बेटे से कहा था कि वे केंद्रीय एजेंसियों की जांच वाले मामलों में पहले हाईकोर्ट जाएं।

छत्तीसगढ़ में नकली दवाओं पर बड़ा प्रहार,तीन कंपनियों पर कार्रवाई

रायपुर,18 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने प्रदेश के दवा बाजार में सक्रिय जालसाजों और नकली दवाओं के सिंडिकेट के खिलाफ एक निर्णायक जंग छेड़ दी है। विभाग ने संदिग्ध और अवैध रूप से बेची जा रही दवाओं पर कड़ी कार्रवाई करते हुए तीन प्रमुख दवा निर्माता कंपनियों को घेरे में लिया है। इस बड़ी कार्रवाई से न केवल दवाओं के अवैध व्यापार पर अंकुश लगने की उम्मीद है, बल्कि यह उन तत्वों के लिए भी एक कड़ी चेतावनी है जो जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

गोगांव ट्रांसपोर्ट नगर में संदिग्ध डाक की गुप्त सूचना : कार्रवाई की शुरुआत तब हुई जब विभाग के सतर्कता तंत्र को रायपुर के गोगांव स्थित नागपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट में दवाओं की एक संदिग्ध खेप के बारे में गुप्त सूचना मिली। रिपोर्ट के अनुसार, दवाओं की एक बड़ी डाक वहां कई दिनों से लावारिस पड़ी थी और कोई भी व्यक्ति या फर्म उसे प्राप्त करने का दावा नहीं कर रहा था। इस लावारिस डाक ने विभाग का संदेह गहरा कर दिया कि इसमें नकली या प्रतिबंधित औषधियां हो सकती हैं।

औषधि प्रशासन की त्वरित रेड और निरीक्षण दल का गठन

सूचना की संवेदनशीलता को देखते हुए विभाग ने बिना समय गंवाए 'औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940' के प्रावधानों के तहत एक उच्च स्तरीय निरीक्षण दल का गठन किया। जब टीम ने ट्रांसपोर्ट हब पर छापा मारा और इंदौर से भेजी गई बिल्टी व दवाओं की डाक का मिलान किया, तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। बिल में जिन दवाओं का नाम दर्ज था, वे डिब्बे के अंदर मौजूद ही नहीं थीं। इसके बजाय, पार्सल में अन्य तीन प्रकार की औषधियां भरी हुई थीं।

प्रयोगशाला की रिपोर्ट में 'नकली और अवमानक' होने की पुष्टि

जांच दल ने बरामद की गई संदिग्ध दवाओं के नमूने सील किए और उन्हें विस्तृत परीक्षण के लिए कालीबाड़ी, रायपुर स्थित राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भेज दिया। 16 दिसंबर को आई लैब रिपोर्ट ने विभाग के संदेह की पुष्टि कर दी। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि तीनों कंपनियों द्वारा निर्मित दवाएं न केवल 'अवमानक' हैं, बल्कि पूरी तरह से 'नकली' की श्रेणी में आती हैं। यह स्वास्थ्य सुरक्षा के लिहाज से एक गंभीर अपराध है।

इन तीन कंपनियों के खिलाफ जारी हुआ अलर्ट

विभाग ने जिन कंपनियों की दवाओं को नकली पाया है, उनमें हिमाचल प्रदेश के सोलन की दो कंपनियां—मेसर्स जी बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स जी.सी हेल्थ केयर शामिल हैं। इसके अलावा, चेन्नई की मेसर्स लार आक्स फार्मास्युटिकल्स की दवाएं भी अवमानक पाई गई हैं। छत्तीसगढ़ प्रशासन ने इन कंपनियों की दवाओं की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए अब केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और राज्य के सभी जिला अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रखा है।

मोबाइल को लेकर डांट बनी जानलेवा नाबालिग बेटी ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

पखांजूर,18 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां मोबाइल फोन को लेकर पिता की डांट से आहत होकर एक नाबालिग बेटी ने आत्महत्या कर ली। यह दर्दनाक घटना बांदे थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नाबालिग बेटी मोबाइल फोन के इस्तेमाल को लेकर अपने पिता की फटकार से नाराज थी। परिजनों के अनुसार, पिता ने मोबाइल को लेकर उसे डांटा था,जिसके बाद वह काफी परेशान और चुपचाप रहने लगी। इसी बीच आज सुबह जब घर में कोई मौजूद नहीं था, तब उसने घर के अंदर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। बताया जा रहा है कि सुबह परिजन किसी काम से बाहर गए हुए थे। जब वे वापस लौटे तो घर के अंदर का दृश्य देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। नाबालिग बेटी फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। परिजनों ने तुरंत उसे नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बांदे थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आत्महत्या की वजह मोबाइल फोन को लेकर हुआ विवाद ही बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

व्याख्याता पदोन्नति को लेकर डीपीआई के अधिकारियों से मिला छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन,ज्ञापन सौंपा

महासमुंद,18 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग,संचालक लोक शिक्षण संचालनालय एवं उप संचालक लोक शिक्षण संचालनालय से मुलाकात कर विभिन्न लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में प्रांतीय संयोजक सुधीर प्रधान, जिलाध्यक्ष नारायण चौधरी, जिला सचिव नंदकुमार साहू, जिला मीडिया प्रभारी प्रदीप वर्मा, भोपाल बंजारा एवं विजय दीवान शामिल रहे। एसोसिएशन ने 12 वर्षों से लंबित प्राचार्य पदोन्नति प्रक्रिया पूर्ण कराने के लिए विभाग का धन्यवाद देते हुए सभी संवर्गों की शेष पदोन्नति प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी करने की मांग की। साथ ही टीईटी अनिवार्यता के निर्णय के विरुद्ध माननीय सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप/पुनर्विचार याचिका दायर करने,पेंशन एवं क्रमोन्नति से जुड़ी लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग रखी गई। बैठक में उप संचालक लोक शिक्षण आशुतोष चावरे, उप संचालक ए.एन. बंजारा,सहायक संचालक एच.सी. दिलावर एवं ए.डी. कुर्रे ने बताया कि वर्तमान में प्राथमिकता के आधार पर प्राचार्य, व्याख्याता एवं रायपुर संभाग में प्रधान पाठक पदोन्नति के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है।

सोनहत में कोकिंग कोयले की बड़ी खोज...25-30 साल तक स्टील उद्योग को मिलेगा 30 लाख टन सालाना ईंधन

कोरिया,18 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के वनांचल क्षेत्र सोनहत में कोकिंग कोयले की नई खोज ने राज्य के औद्योगिक भविष्य को नई रफ्तार दे दी है। ग्राम लब्जी-पुसला में मिले इस भंडार से न सिर्फ स्टील उद्योग को मजबूत आपूर्ति मिलेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और बुनियादी ढांचे के विकास की भी बड़ी संभावनाएं खुलेंगी। इसके बाद एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र ने कोल इंडिया को नई खदान खोलने का प्रस्ताव भेजा है। मंजूरी मिलने पर यहां से हर साल करीब 30 लाख टन कोकिंग कोयला स्टील उद्योगों को आपूर्ति किया जाएगा, जो अगले 25 से 30 वर्षों तक जारी रह सकती है। कोयले के परिवहन को पर्यावरण के अनुकूल और सुचारू बनाने के लिए खदान से रेलवे साइडिंग तक लगभग 12 किलोमीटर लंबी फ्लाईओवर कन्वेयर बेल्ट बनाने की योजना है। इससे सड़कों पर भारी वाहनों का दबाव कम होगा और लागत भी घटेगी। सीएमपीडीआई और एमईसीएल की मदद से सोनहत ब्लॉक की कई ग्राम पंचायतों में बीते कुछ वर्षों से कोयला अन्वेषण का काम चल रहा था। इसी सर्वे के दौरान लब्जी-पुसला क्षेत्र में कोकिंग कोयले की पुष्टि हुई, जो स्टील निर्माण के लिए अहम माना जाता है। नई खदान के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

राजस्व विभाग ने करीब 10 हेक्टेयर निजी भूमि चिन्हित की है, जबकि शेष क्षेत्र वन भूमि का होगा। लगभग 4 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन और उससे जुड़ी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। एसईसीएल के अनुसार खनन के बाद कोयले को रेलवे रैक के जरिए स्टील उद्योगों तक पहुंचाया जाएगा। नगर रेलवे स्टेशन के पास नई कोल साइडिंग के लिए जमीन तय कर ली गई है। हालांकि, खदान से साइडिंग तक सड़क की स्थिति को बेहतर बनाने की आवश्यकता बताई जा रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)